



व्यवसाय सूचना प्रकाशन माला : 43

संचार में व्यवसाय

व्यवसाय अध्ययन केन्द्र,
केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान,
(रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिदेशालय),
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार,
पुसा, नई दिल्ली-110 012.



व्यवसाय सूचना प्रकाशन माला-43

संचार में व्यवसाय

व्यवसाय अध्ययन केन्द्र
केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,
रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय
श्रम मंत्रालय, भारत सरकार,
पूसा, नई दिल्ली-110 012

विषय सूची

अध्याय शीर्ष	पृष्ठ संख्या
1 प्रस्तावना	iii
1. भूमिका	1
2. भारत में संचार का संगठन और व्यवस्था	4
3. संचार व्यवस्था में प्रशिक्षण सुविधाएं	9
4. डाक तार विभाग में भर्ती और सेवा शर्त	20
5. आकाशवाणी और दूरदर्शन में भर्ती तथा सेवा शर्त	41
6. विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय और अन्य अभिकरणों में भर्ती और सेवा शर्त	48
7. स्वरोजगार के अवसर	59
8. रोजगार संभावना	62
9. अनुसूचित जाति/जनजातियों के लिए सुविधाएं	66
परिशिष्ट "क"	68
परिशिष्ट "ख"	70
परिशिष्ट "ग"	71

प्रोजेक्ट-टीम

मार्ग दर्शन .	. श्री बी० बधवार उप-निदेशक
विषय एवं प्रस्तुतीकरण .	. श्री सुरेश चन्द्र वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी
संयोजन एवं सार .	. श्री एस० पी० जोशी वरिष्ठ तकनीकी सहायक
पुनरीक्षण .	. कुमारी अनिता शर्मा वरिष्ठ अनुवादक
प्रूफ-पठन .	. श्री आर० के० अग्निहोत्री प्रूफ रीडर

प्रस्तावना

“संचार में व्यवसाय” नामक इस प्रकाशन में, जो व्यवसाय सूचना प्रकाशनमाला का 43वां प्रकाशन है, संचार के क्षेत्र में कार्यरत विविध प्रकार के कर्मचारियों जैसे डाकिया, तार संकेतक, दूरभाष संचालक, कलाकार आदि हेतु भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण सुविधाएं, सेवा शर्तें, रोजगार संभावनाओं आदि से सम्बंधी जानकारी देने का प्रयास किया गया है ।

हम विविध संगठनों मुख्यतः डाक एवं तार विभाग, समुद्रपार संचार, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन महानिदेशालय, विज्ञापन एवं दृश्य प्रकाशन निदेशालय आदि के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनका उदार एवं सक्रिय सहयोग इस कार्ययोजना को प्राप्त हुआ ।

यदि इस प्रकाशन से लोग लाभान्वित होते हैं, तो हमें काफी उत्साह प्राप्त होगा । इस प्रकाशन के सुधार हेतु सभी स्थलों से प्राप्त होने वाले सुझावों का सहर्ष स्वागत है ।

निदेशक

के० रो० से० अनु० एवं प्रशि० संस्थान

पूसा. नई दिल्ली-12

अध्याय I

भूमिका

समाज और सभ्यता के लिए संचार व्यवस्था का उतना ही महत्व है जितना मनुष्य के लिए स्नायुतंत्र का, आज के सन्दर्भ में सामाजिक सम्पर्क और राष्ट्रीय अखंडता के लिए संचारतंत्र एक मूलभूत आवश्यकता है। राष्ट्रीय विकास के लिए सुव्यवस्थित संचार तंत्र का होना अनिवार्य है। देश की आवश्यकताओं के अनुकूल गतिशील सामाजिक व्यवस्था के क्रमिक विकास के लिए भी यह आवश्यक है। व्यापक भौगोलिक क्षेत्रों और विविध सामाजिक और भाषाई समूहों वाले भारत जैसे देश में एक प्रभाषी और विश्वसनीय संचार तंत्र का होना अति आवश्यक है। किसी भी देश के लिए एकीकृत एवं सुगठित संचारतंत्र का होना अनिवार्य है। सामान्य, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक कार्यों के संचालन में यह महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह देश के दूर दराज के समुदाय के लोगों और दूरवर्ती क्षेत्रों के अलगाव को दूर करने में सहायता करती है तथा उन्हें राष्ट्रीय जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करता है।

डाक एवं तार विभाग राष्ट्र की प्रशासन, रक्षा, रेलवे विमानन संबंधी एवं जन सामान्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए डाक एवं दूर संचार सुविधाएं प्रदान करता है। डाकघर लिखित रूप में संदेश को प्राप्त करने और भेजने की सुविधा प्रदान करके लोगों की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करते हैं। आजकल दूरसंचार क्षेत्र में देश और विदेश में दी जाने वाली सुविधाओं में तार, टेलीफोन (दूरभाष) और टेलेक्स आदि सम्मिलित हैं। इसके साथ-साथ यह विभाग समुद्र में जहाजों के लिए भी संचार सुविधा प्रदान करता है।

डाक प्रणाली : भारत में आधुनिक डाक प्रणाली का इतिहास सन 1937 से मिलता है जब से डाक सेवा जन साधारण के लिए प्रारंभ की गई। औपचारिक रूप से डाक विभाग की स्थापना 1854 ई० में हुई। उस समय देश में लगभग 700 डाकघर पहले ही कार्य कर रहे थे। मनीआर्डर प्रणाली 1880 में आरम्भ हुई। पांच साल बाद डाक बैंक योजना लागू हुई। रेल डाक सेवा 1907 में और हवाई डाक सेवा 1911 में आरम्भ हुई।

1951 और 1980 के दौरान डाक एवं संचार सेवा में उल्लेखनीय प्रगति हुई। इस अवधि में डाकघरों की संख्या में 16 गुनी तारघरों की संख्या में तीन गुनी और टेलीफोनों की संख्या में 16 गुना से भी अधिक बढ़ोतरी हुई। 1960 में आरम्भ में हुई लोकप्रिय उपभोक्ता ट्रंक डायलिंग सेवा (एस० टी० डी०) अब 198 शहरों में कार्य कर रही है। समुद्रपार संचार प्रणाली भारत को विश्व के प्रायः सभी देशों के साथ जोड़ती है।

1914 में डाक एवं तार विभागों को एक संयुक्त विभाग में मिला दिया गया। इस समय इस विभाग का व्यापक दूर संचार क्षेत्र सबसे व्यापक और डाक सेवा विश्व की सबसे बड़ी डाक सेवा है। दिसम्बर 1980 के डाकघरों की संख्या 1,38,726 थी, जिसमें ग्रामिण क्षेत्र के 1,24,333 डाकघर भी शामिल हैं। 4000 तक की आबादी वाले 23.9 वर्ग कि० मी० के क्षेत्र में औसतन एक डाकघर था। मार्च 1980 में डाक विभाग में प्रबन्ध एवं रखरखाव कार्य करने के लिए लगभग 8.11 लाख व्यक्ति कार्यरत थे।

डाक कार्मिकों के प्रशिक्षण देने और उनकी कार्यकुशलता को बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में चार बड़े बड़े प्रशिक्षण केन्द्र हैं। इन प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ अन्य मित्र देशों को भी मिलता है।

भारत में 1881-82 के आरम्भ में कलकत्ता में एक पचास लाइनों वाला टेलीफोन केन्द्र था। 1913 में स्वचल (ऑटोमैटिक) लाइनों वाला एक टेलीफोन केन्द्र शिमला में स्थापित किया गया। स्वाधीनता के पश्चात् भारत में दूरसंचार सुविधाओं में नियोजित वृद्धि हुई। 1947 में पूरे देश में लगभग 18.2 लाख सीधी टेलिफोन लाइन वाले केवल 32 टेलीफोन केन्द्रों और 3,320 टेलीफोन कार्यालय थे। पहली अगस्त/अप्रैल 1980 को टेलीफोन केन्द्रों की संख्या 7,430 और तार घरों की संख्या 24,457 थी। अब देश में 136 टेलेक्स केन्द्र काम कर रहे हैं और सीधी टेलीफोन लाइनों की संख्या 26.15 लाख है।

समुद्रपार काल के लिए उपग्रह संचार सेवा की स्थापना 1971 में हुई। पहला भू केन्द्र 1972 में और दूसरा 1974 में सफलता पूर्वक स्थापित किया गया। अंतरिक्ष में दूरसंचार उपग्रह 'एपल' और इन्सेट-1 ए की स्थापना देश की वर्तमान दूरसंचार पद्धति में सुधार तथा विस्तार की प्रक्रिया है। उस उपलब्धि से भारत विश्व के उपग्रह क्षेत्र में आठवे स्थान पर आ गया है।

भारत में रेडियो प्रसारण 1927 में आरम्भ हुआ जब बम्बई और कलकत्ता में दो निजी प्रभुत्व वाले ट्रांसमीटर स्थापित किए गये। 1930 में भारत सरकार

ने उनका अधिग्रहण किया और उनको भारतीय प्रसारण सेवा के नाम से चलाना आरम्भ किया। 1936 में इस सेवा का नाम बदलकर आल इण्डिया रेडियो (ए०-आई० आर०) कर दिया गया। 1957 से लेकर उसे आकाशवाणी के नाम से जाना जाता है। इसके कार्यक्रमों को भारत में 2 करोड़ से अधिक रेडियो यंत्रों (रिसीवर-सेंटो) द्वारा अभिग्रहण किया जाता है। पिछले कई सालों से रेडियो और दूरदर्शन (टेलीविजन) का मनुष्य के जीवन में तेजी से आगमन हो रहा है। भारत में दूरदर्शन का आविर्माण देर से हुआ। सितम्बर 1959 में दिल्ली में प्रायोजिक दूरदर्शन केन्द्र स्थापित किया गया जिसमें प्रौढ़ शिक्षा और स्कूली शिक्षा के कार्यक्रम प्रसारित किए गए। नियमित रूप से पहली सामान्य सेवा अगस्त 1965 में दिल्ली से आरम्भ हुई। तब से मनोरंजन शिक्षा और कृषि संबंधी जानकारी देने की दिशा में असाधारण प्रगति हुई है। बाद में 1 अप्रैल 1976 को इसे आकाशवाणी (आल इण्डिया रेडियो) से पृथक् कर दिया गया और अब यह दूरदर्शन महानिदेशालय के नाम से जाना जाता है।

संचार व्यवस्था में कैरियर नामक इस पुस्तक को इस रूप में तैयार किया गया है कि विभिन्न विभागों में संचार के क्षेत्र में विभिन्न रोजगार की स्थितियों, प्रशिक्षण सुविधाओं, भर्ती तरीकों, भर्ती एवं सेवा शर्तों, रोजगार संभावना और स्वरोजगार के अवसरों आदि की जानकारी मिल सके।

यह जानकारी विशेषरूप से उन पाठकों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी जो संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक हैं।

इस पुस्तक में संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक हैं।

संचार विभाग, भारत सरकार

स्रोत : इंडिया 1981--प्रकाशन प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय पृ० 368।

अध्याय II

भारत में संचार तन्त्र का संगठन और व्यवस्था

संचार-व्यवस्था की आधुनिक आधार संरचना डाक व्यवस्था, मंच मनोरंजन अथवा संचार तक ही सीमित नहीं है। वैज्ञानिक खोजों में संचार व्यवस्था के नवीनतम साधनों का समावेश हो गया है। इसमें डाक सेवा, तार, टेलीफोन, समुद्र पार संचार, रेडियो-ट्रांजिस्टर कक्ष, दूरदर्शन, व्यवस्था सिनेमा, गति एवं नाट्य संगठन और प्रचार विभाग आदि सम्मिलित हैं। भारत के इन सभी संगठनों और शाखाओं का संक्षिप्त परिचय इस अध्याय में दिया गया है। त कि पाठक प्रत्येक के कार्यों की जानकारी हासिल कर सकें।

डाक-तार बोर्ड देश में सबसे बड़ा नियोक्ता है, जोकि डाक तथा दूर संचार सेवाएं प्रदान करता है। बोर्ड द्वारा 31 मार्च 1980 तक रोजगार दिए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या 8,11,334 थी। इसमें अतिरिक्त विभागीय और औद्योगिक कर्मचारी भी शामिल थे।

प्रचालन कार्य के उद्देश्य से देश को 15 दूरसंचार सर्किल, 16 डाक (पोस्टल) सर्किलों, 16 डाकतार सिविल सर्किलों चार डाकतार विद्युत (इलेक्ट्रिकल) सर्किलों और 27 टेलीफोन जिलों में बांटा गया है। इसके अलावा विशेष उद्देश्यों के लिए इकाईयां (यूनिट) बनाई गई हैं। संचार मंत्रालय डाक-तार विभाग के जरिए कुछ एजेंसी संबंधी कार्य जैसे रेडियो लाइसेंस फीस एकत्रित करने डाकघर बचत बैंक योजना चलाने, राष्ट्रीय बचत पत्र और डाक जीवन बीमा पालिसियां जारी करने और भारतीय यूनिट ट्रस्ट की यूनिटों की बिक्री आदि का कार्य करता है।

डाक तन्त्र विभिन्न विभागीय सेवाओं के जरिए कार्य करता है जैसे गांवों में डाक का वितरण ग्रामिण डाक-घर सेवा, रात्रि डाक घर सेवा और अन्तर्राष्ट्रीय डाक सेवाएं आदि। तारघर अंग्रेजी और देवनागरी लिपि में विभिन्न तार बुक करने के लिए हस्तचल ट्रंक सेवा चलाते हैं।

भारतीय समुद्रपार संचार सेवा

समुद्रपार संचार सेवा का प्रधान महानिदेशक होता है, जिसकी सहायता के लिए एक अपर महानिदेशक और पांच उपनिदेशक होते हैं। विदेश संचार सेवा के बम्बई,

कलकत्ता, मद्रास और नई दिल्ली में चार केन्द्र हैं। यह संगठन भारत में समुद्रपार दूरसंचार सेवा प्रदान करने, इसे चलाने, इसका अनुरक्षण और विकास करने के लिए जिम्मेदार है। यह अन्तर्राष्ट्रीय मानक एवं कुशलता स्तर पर प्रचालन मानक बनाए रहता है। यह संगठन समुद्रपार तार, टेलीफोन और टेलेक्स सेवाओं के प्रचालन संबंधी पक्षों में समन्वय स्थापित करता है। यह संगठन राष्ट्रमंडलीय दूर-संचार साझेदारी में एक राष्ट्रीय निकाय के रूप में तथा इन्टलसैट एवं इन्मसैट तथा 'एपल' उपग्रह अन्तरिक्ष खण्ड के उपयोग हेतु भारत की प्रचालन (आपरेटिंग) हस्ती के रूप में कार्य करता है।

बेतार योजना और समन्वय स्कन्ध (विंग)

संचार मंत्रालय का बेतार योजना और समन्वय स्कन्ध जनेवा में स्थित एक विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसी, अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार संघ से संबंधित सभी मामलों के लिए जिम्मेदार है। यह देश में सभी प्रकार के रेडियो संचालन के लिए रेडियो नियंत्रण प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है और उसी हैसियत से रेडियो आवृत्तियां (फ्रीक्वेंसीज) निर्धारित करता है तथा सभी सरकारी और गैर सरकारी बेतार प्रायोक्ताओं को प्रचालन लाइसेंस जारी करता है। रेडियो व्यक्तिकरण के मामलों की जांच करता है तथा राष्ट्रीय समन्वय के जरिए उनका समाधान करता है। उपग्रह संचार और अंतरिक्ष की अन्य प्रणालियों के लिए प्रयोग होने वाली आवृत्तियों से संबंधित समस्याओं के बारे में भी यह विंग राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर समन्वय बनाए रखता है।

अनुभवण संगठन (मॉनीटरी संगठन)

मॉनीटरी संगठन का आवृत्ति व्यवस्था और रेडियो विनियमों को लागू करने के लिए मॉनीटरी केन्द्र व्यवस्था का अपना तन्त्र है। 1980 के अन्त में दश में ऐसे उन्नीस केन्द्र कार्य कर रहे हैं।

आकाशवाणी

आकाशवाणी (ए० आई० आर०) रेडियो स्टेशनों के तंत्र के माध्यम से ध्वनि प्रसारण के कार्य के लिए जिम्मेदार है। 1947 तक भारत में प्रसारण की अच्छी व्यवस्था नहीं थी। 1950 में 21 मुख्य केन्द्र और चार सहायक केन्द्र आरम्भ किए गए। 1980 के अन्त में मुख्य केन्द्रों की संख्या 85 हो गई तथा दो सहायक केन्द्र और दो विविध भारती विज्ञापन प्रसार सेवा केन्द्र स्थापित किए गए। भारत में प्रसारण सेवा केवल लोगों को जानकारी देने तथा शिक्षा प्रदान करने के लिए ही

नहीं बल्कि मनोरंजन के क्षेत्र में भी एक प्रभावी माध्यम के रूप से सेवा कर रही है। 1950-79 के दौरान कार्यक्रमों की संख्या 64.529 से बढ़कर 421 घण्टे वार्षिक हो गई। मध्यमतरंग (मीडियम वेव) रेडियो सेवा देश की 89.40 प्रतिशत आबादी और 77.7 प्रतिशत क्षेत्र को लाभ पहुंचा रही है। 1980 में लाइसेंस शुदा अभिग्राही (रिसीवर) सेटों की संख्या 2.01 करोड़ तक पहुंच गई। आकाशवाणी आल इण्डिया रेडियो का प्रधान महानिदेशक होता है। एक महानिदेशक और एक चीफ इंजीनियर प्रशासनिक, तकनीकी और इंजीनियरी मामलों में उसकी सहायता करते हैं। एक आकाशवाणी केन्द्र सामान्यतः एक केन्द्र निदेशक के पूर्ण नियन्त्रण में होता है। केन्द्र को चलाने के लिए कार्यक्रम और इंजीनियरी स्टाफ उस की सहायता करते हैं।

संगठन में मुख्यतः कार्यक्रम प्रस्तुती स्कंध इंजीनियरी और स्त्रोता अनुसंधान यूनिट होता है। इसका एक कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान भी है।

दूरदर्शन

दूरदर्शन महानिदेशालय की स्थापना 1 अप्रैल, 1976 को महानिदेशालय आकाशवाणी के दो शाखाओं में विभाजन के परिणामस्वरूप हुई। महानिदेशक इसका प्रधान होता है। एक उपमहानिदेशक और एक प्रमुख इंजीनियर उसकी सहायता करते हैं, इसकी संगठनात्मक व्यवस्था भी आकाशवाणी की ही तरह है।

1980 के अन्त में देश में अठारह दूरदर्शन केन्द्र, दो रिले केन्द्र और तीन उपग्रह शिक्षण दूरदर्शन प्रयोग (साइट) ट्रान्समीटर काम कर रहे थे। दूरदर्शन पर मनोरंजन कार्यक्रम, स्कूल प्रसारण, और किसानों एवं समाज के अन्य वर्गों के लिए सामुदायिक दृश्य सेवा का प्रसारण किया जाता है।

गीत एवं नाट्य प्रभाग

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के गीत एवं नाट्य प्रभाग की स्थापना 1954 में हुई यह जनता को विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों और उद्देश्यों से अवगत कराने हेतु मनोरंजन के आधुनिकतम मनोरंजन माध्यमों का उपयोग करता है। प्रभाग में पंजीकृत लगभग 500 निजी पार्टियों और 41 विभागीय दलों के माध्यम से इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। शहरी और ग्रामीण जनता की जानकारी के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए विभिन्न केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों का प्रयोग किया जाता है।

1969 में इस प्रभाग ने थियेटर पैनासानिक बनाया जिसमें बहुत बड़ी संख्या में कलाकारों द्वारा सजीव अभिनय से ध्वनि एवं प्रकाश प्रदर्शन किया जाता है, जिसे एक ही समय पर हजारों लोगों द्वारा विभिन्न कोणों से देखा जा सकता है।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय (डी० ए० वी० पी०)

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय (डी० ए० वी० पी०) भारत सरकार की केन्द्रीय एजेंसी है। यह विभिन्न मंत्रालयों की ओर से प्रेस, छपी हुई प्रचार सामग्री तथा बाह्य प्रचार कार्यक्रमों के जरिए सामूहिक विज्ञापन और दृश्य प्रचार अभियान चलाती है। सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का फोटोग्राफी प्रदर्शनियों के जरिए प्रचार किया जाता है। विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय राष्ट्रीयकृत बैंकों और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के लिए रेडियो विज्ञापन भी देती है।

प्रेस

भारत समाचार पत्र रजिस्ट्रार समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, आदि के पंजीकरण के लिए जिम्मेदार है। वह देश भर में प्रेस के समस्त क्रिया कलाओं सहित प्रेस की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करता है और इसे संसद के समक्ष पेश करता है। रजिस्ट्रार न्यूजप्रिंट सलाहकार समिति की सिफारिश पर अखबारी कागज के कोटे का आबंटन करता है और अखबारों के लिए छपाई की मशीनों के आयात की सिफारिश करता है।

1980 के अन्त में भारतीय जनता की रूची के अनुकूल लगभग सभी भाषाओं में 17,168 अखबार निकलते थे, जिनमें 1,087 दैनिक, 86 त्रि-पाक्षिक, 5,023 साप्ताहिकी और 10,972 अन्य पत्रिकाएं थी।

प्रेस सूचना ब्यूरो, प्रेस के माध्यम से भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचना का प्रसार करता है। इन नीतियों के बारे में प्रेस में होने वाली प्रतिक्रिया से सरकार को अवगत कराता है। प्रेस सूचना ब्यूरो के अधिकारी प्रत्येक मंत्रालय के साथ जुड़े होते हैं, और क्रियाकलापों तथा उपलब्धियों का सार और प्रेस प्रकाशन और अनेक (रिलीज) जारी करते हैं। पत्र प्रेस सूचना ब्यूरो, प्रचार क्षेत्र में राज्य सरकार और सार्वजनिक क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करता है। यह महत्वपूर्ण केन्द्रों पर सूचना केन्द्र भी चलाता है। प्रेस सूचना ब्यूरो के अतिरिक्त प्रेस के क्षेत्रों में कार्य करने वाली दूसरी अनेक एजेंसियां हैं, जैसे भारतीय

प्रेस आयोग, प्रेस परिषद (काउन्सिल) और निर्गुट (नॉन आलइन्ड) समाचार एजेंसी पूरा आदि ।

भारतीय जनसंचार संस्थान

भारतीय जनसंचार संस्थान की स्थापना सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अगस्त 1955 में जनसंचार में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में की गई । जनवरी 1966 में इसे स्वायत्तता प्रदान की गई । इस संस्थान द्वारा विकासोन्मुख पत्रकारिता, मुद्रण माध्यम, दृश्य-श्रव्य साधन और फ़िल्म, रेडियो, दूरदर्शन, मौखिक संचार, पारम्परिक माध्यम, विज्ञापन, अभियान योजना और संचार अनुसंधान आदि शिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं ।

अध्याय III

संचार व्यवस्था में प्रशिक्षण सुविधाएं

किसी भी व्यवसाय में प्रशिक्षण व्यक्ति को उस क्षेत्र में पूर्ण निपुणता प्रदान करता है । इस अध्याय के अन्तर्गत देश में संचार के क्षेत्र में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है ।

डाक एवं तार प्रशिक्षण सुविधाएं

डाक कर्मचारियों जैसे डाकघर क्लर्क, डाक सैकेतक (सिगनलर), रेल डाक सेवा कर्मचारियों आदि को प्रशिक्षण देने के लिए सहारनपुर, कडोदरा, मैसूर और दरभंगा में चार आवासीय सेवाकालीन डाक प्रशिक्षण केन्द्र हैं ।

प्रारम्भिक चयन के उपरान्त तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाता है । प्रशिक्षण अवधि में विभागीय प्रशिक्षणार्थियों को नियमानुसार पूरा वेतन अथवा वृत्तिक प्रदान की जाती है । प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर नियमित ग्रेड दिया जाता है ।

क्षेत्रीय संचालित जिले की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तोरह क्षेत्रीय और छव्बीस संचालित जिले दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए गए हैं । इन केन्द्रों में सहस्रक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता, रिपीटर केन्द्र सहस्रकों, केतार प्रचालकों, वायरलेस ऑपरेटर, टेलीफोन निरीक्षकों, केबल योजकों, तार मास्टरों, टेलीफोन ऑपरेटरों तथा पी० बी० एक्स० ऑपरेटरों आदि को प्रशिक्षण दिया जाता है । प्रशिक्षण की अवधि दस सप्ताह से दो वर्ष तक होती है । डाक एवं तार विभाग के अलावा सरकारी और निजी प्रतिष्ठानों के उम्मीदवारों को भी प्रशिक्षण सुविधाएं दी जाती हैं बशर्ते कि उनके संगठनों द्वारा उनका नाम भेजा गया हो । प्रशिक्षण की अवधि और प्रशिक्षणार्थी के संख्या के अनुसार फीस को कुछ राशियाँ 135 रु० से 520 रु० है जो कि नाम भेजने वाले संगठन द्वारा वहन की जाती है ।

उपरोक्त डाक प्रशिक्षण केन्द्रों के अलावा संचार भवन, नई दिल्ली में स्थित एक भारतीय डाक कर्मचारी (पोस्टल स्टाफ) कॉलिज है । भारतीय डाक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवार दो वर्ष की अवधि तक पारिवीक्षार्थी के

रूप में इस संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं । प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रशिक्षणार्थियों को डाक एवं तार सेवा में प्रशासक और नीति निर्माता जैसे जिम्मेदार वरिष्ठ पद दिए जाते हैं ।

(डाक प्रशिक्षण केन्द्रों का पूरा पता और स्थान जानने के लिए परिशिष्ट 'क' देखें)

संयुक्त राष्ट्र की सहायता से घिटोरनी, नई दिल्ली में स्थापित दूरसंचार उच्च स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र (ए० एल० टी० टी० सी०) दूरसंचार सेवा कार्मिकों को प्रशिक्षण देने का कार्य करता है । देश में दूरसंचार के व्यापक क्षेत्र और सेवाओं को देखते हुए योजना, विकास और प्रबन्ध के लिए आवश्यक उच्च स्तर के तकनीकी कार्मिकों की निरंतर बढ़ती हुई और दीर्घकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से भारत सरकार की सहायता हेतु इस केन्द्र की स्थापना की गई है ।

प्रशिक्षणार्थी डाक एवं तार विभाग, रक्षा दूरसंचार सेवा, पुलिस बेतार (वायरलेस) विंग, भारतीय, टेलीफोन उद्योग, बंगलौर और रायबरेली, हिन्दुस्तान केबुल्स और हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स आदि विभागों से लिए जाते हैं । केन्द्र की वार्षिक प्रशिक्षण क्षमता 150 उच्चतम स्तर के प्रबन्ध कार्मिकों और 500 मध्य स्तर के कार्यपालकों को दूरसंचार की नवीनतम तकनीकों में प्रशिक्षण देने की हो गई । यह प्रशिक्षण केन्द्र केवल भारतीय दूरसंचार कार्मिकों की आवश्यकताओं को ही पूरा नहीं करता अपितु एशिया और सुदूर पूर्व देशों के आर्थिक आयोग के क्षेत्र के दूसरे देशों के कार्मिकों की भी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है ।

दूरसंचार उच्च स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र (ए० एल० टी० टी० सी०) में डाक तार विभाग के सात क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों और माध्यमिक प्रशिक्षण केन्द्रों के अध्यापकों का प्रशिक्षण भी शामिल है ।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे-411 004

भारतीय दूरदर्शन संस्थान के फिल्म खंड की स्थापना भारत सरकार द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में 1960 में की गई । इसका उद्देश्य फिल्म निर्माण की कला एवं तकनीक के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करना था । इसके नियमित पाठ्यक्रम 1961 में आरम्भ हुए । दूरदर्शन खंड जिसने 1971 में नई दिल्ली में कार्य करना आरम्भ किया, उसे भी अक्टूबर 1974 में संस्थान के परिसर, पुणे में स्थानांतरित कर दिया गया ।

संस्थान का अपना सुसज्जित स्टुडियो छायांकन (रिकार्डिंग) थियेटर और सम्पादन कक्ष है जहां पर छात्र व्यावसायिक कार्य परिस्थितियों में अपना अभ्यास कार्य करते हैं। इसकी फिल्मों एवं पुस्तकों का एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय भी है जो छात्रों को सिनेमा और दूरदर्शन की तकनीकी नवीनताओं से बराबर अवगत कराता है।

अध्ययन पाठ्यक्रम

अध्ययन पाठ्यक्रम, प्रवेशहेतु योग्यता, आयु सीमा आदि का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश के लिए योग्यता	अवधि	आयु	उपलब्ध सीटों की संख्या
1.	चलचित्रकी (सिनेमाटोग्राफी) में डिप्लोमा चलचित्र फोटोग्राफी या फिल्म सम्पादन में विशेषज्ञता के साथ	इन्टरमीडिएट या समकक्ष या मान्यता प्राप्त बोर्ड यूनिवर्सिटी का 10+2 अथवा छापांकन फोटोग्राफी ललित कला में डिप्लोमा	3 वर्ष (2 वर्ष का एकीकृत पाठ्यक्रम साथ में 1 वर्ष की विशेषज्ञता)	17-25 वर्ष	20
2.	ध्वन्यांकन एवं ध्वनि इंजीनियरी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम	इलैक्ट्रानिक अथवा रेडियो इंजीनियरी में डिप्लोमा अथवा भौतिकी तथा गणित विषयों में प्रत्येक में कम से कम 50 अंकों सहित बी० एस० सी०	डेढ़ वर्ष (3 सेमेस्टर) के बीच	17 और 25 वर्ष के बीच	12
3.	फिल्म निर्देशन में पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम	केवल चलचित्रकी (सिनेमाटोग्राफी) धारकों के लिए प्रवेश खुला है।	1 वर्ष	--	--

उपरोक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक प्रत्याशी भारत में विभिन्न केन्द्रों में आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा में बैठते हैं। उल्लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रत्याशियों को विशेष अभिक्षमता परीक्षण और साक्षात्कार हेतु पुणे (महाराष्ट्र) में बुलाया जाता है।

बीस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशियों के मामले में प्रवेश हेतु आवश्यक आयु एवं न्यूनतम योग्यता में नियमानुसार छूट दी गई है। (विद्यार्थियों द्वारा देय फीस, खर्च, और फुटकर खर्च परिशिष्ट 'ख' में दिए गए हैं)।

बेतार योजना और समन्वय स्कंध संचार मंत्रालय, रेडियो टेलीफोन आपरेटर प्रमाण पत्र परीक्षा

प्रत्येक जहाज अथवा वायुयान, रेडियो तार और रेडियो टेलीफोन केन्द्र पर कार्य करने हेतु उपयुक्त श्रेणी की दक्षता वाले एवं लाइसेंस शुदा आपरेटर की आवश्यकता होती है। ये प्रमाण पत्र और लाइसेंस उन व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं जो वैमानिक अथवा समुद्री चल सेवाओं में रेडियो अधिकारी बेतार अथवा रेडियो आपरेटर के पदों पर रोजगार पाने के उद्देश्य से केन्द्रीय सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाएं उत्तीर्ण करते हैं। किन्तु सरकार इस प्रमाण पत्र और लाइसेंस प्राप्त कर लेने पर किसी प्रकार की रोजगार की गारंटी नहीं देती।

संचार मंत्रालय, भारत सरकार का बेतार योजना और समन्वय स्कंध दिल्ली, मद्रास, बम्बई और कलकत्ता केन्द्रों में प्रति वर्ष रेडियो टेलीफोन, आपरेटर दक्षता प्रमाण पत्र और बेतार तार संचार वायरलेस टेलीग्राफी (वैमानिक सेवा) के कार्य का लाइसेंस प्रदान करने हेतु परीक्षाएं आयोजित करता है। समुद्री नौचालन के लिए परीक्षा प्रतिवर्ष केवल बम्बई और कलकत्ता केन्द्रों में आयोजित की जाती हैं।

सफल उम्मीदवारों को प्रदान किए जाने वाले लाइसेंसों को निम्न ग्रुपों में विभाजित किया गया है :—

- ग्रुप 'क' (1) प्रथम श्रेणी का रेडियो तार प्रचालक (आपरेटर) प्रमाणपत्र और लाइसेंस (समुद्री और वैमानिक चल सेवाएं)
(2) दूसरी श्रेणी का रेडियो तार प्रचालक (आपरेटर) प्रमाणपत्र (समुद्री चल सेवा)
(3) विशेष श्रेणी का रेडियो तार प्रचालक (आपरेटर) प्रमाणपत्र (समुद्री चल सेवा)

ग्रुप 'ख' (1) रेडियो टेलीफोन आपरेटर सामान्य प्रमाणपत्र और लाइसेंस (समुद्रीय और वैमानिक चल सेवाएं)

(2) रेडियो टेलीफोन आपरेटर (प्रतिबन्धित) प्रमाणपत्र और लाइसेंस (समुद्रीय और वैमानिक चल सेवाएं)

कोई भी व्यक्ति प्रत्येक ग्रुप क और ख से एक/एक लाइसेंस प्राप्त कर सकता है।

पात्रता

व्यक्ति भारत का नागरिक हो और परीक्षा आरम्भ होने की तारीख को उसकी आयु 18 वर्ष से ऊपर हो। किसी भी परीक्षा में बैठने हेतु कोई न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित नहीं है तथापि इन परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम इस प्रकार का है कि उसमें कम से कम मैट्रिक उच्चतर माध्यमिक हायर सेकेण्डरी स्तर का गणित और भौतिकी विषयों सहित अच्छी योग्यता का होना आवश्यक है ताकि निर्धारित पाठ्यक्रम का अध्ययन करने में सक्षम हों। अंग्रेजी भाषा का पर्याप्त ज्ञान भी आवश्यक है।

परीक्षा शुल्क

एक प्रत्याशी से प्रथम श्रेणी के लाइसेंस हेतु 40 रु० द्वितीय श्रेणी हेतु 20 रु० और विशेष श्रेणी हेतु अथवा किसी अन्य श्रेणी अथवा परीक्षा के किसी खण्ड हेतु 20 रु० शुल्क लिया जाता है।

इन परीक्षाओं हेतु प्रत्याशियों को प्रशिक्षण देने के लिए निजी तौर पर चलाए जाने वाले अनेक निजी बेतार वायरलेस संस्थान और विद्यालय हैं। सरकार की ओर से चलाया जाने वाला ऐसा कोई संस्थान नहीं है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के संचार इंजीनियरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

दिल्ली, मुम्बई, कानपुर, मद्रास, खडकपुर में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करते हैं।

भारत के सभी प्रौद्योगिकी संस्थानों में संचार क्षेत्र में पूर्व स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम, रेडियो इंजीनियरी तथा दृष्टि (आप्टो) इलेक्ट्रॉनिकी और प्रकाशीय संचार आदि पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं स्नातक निष्णात और डाक्टर उपाधि के डिग्री पाठ्यक्रमों का ब्योरा अलग से नीचे दिया गया है।

1. पूर्व स्नातक

सभी प्रौद्योगिक संस्थानों में प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि पांच वर्षीय पूर्व स्नातक कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य इंजीनियरी विषयों के साथ साथ संचार एवं वैद्युत (इलैक्ट्रीकल) इंजीनियरिंग में प्रदान की जाती है।

प्रौद्योगिकी स्नातक (बी० टेक) के पांच वर्षीय पूर्व स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। यह परीक्षा हर वर्ष सामान्यतया मई के प्रथम सप्ताह में ली जाती है और सभी पांचों भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के लिए एक समान होती है।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित प्रश्न पत्र निम्नलिखित होते हैं :

- (1) अंग्रेजी, (2) गणित, (3) भौतिकी, (4) रसायन। प्रवेश परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

अधिकतम शैक्षिक योग्यता :—

- (1) गणित, भौतिकी, रसायन विषयों के साथ उच्चतर माध्यमिक हायर-सैकण्डरी पूर्व विश्वविद्यालय 10+2 पद्धति का 10+1 परीक्षा। पूर्व उपाधि परीक्षा भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा अंग्रेजी में कम से कम 50 प्रतिशत अंक और विज्ञान के तीनों विषयों में प्रत्येक में न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक तथा विज्ञान विषयों में कुल 70 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण की हो।

संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है परन्तु प्रवेश वर्ष के एक अक्टूबर का प्रत्याशी की आयु 21 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशियों के मामले में उच्च आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट है।

प्रवेश की सूचनाएं प्रत्येक वर्ष दिसम्बर जनवरी माह में देश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापनों के रूप में प्रकाशित की जाती हैं।

सीटों का आरक्षण

इन पाठ्यक्रमों में बीस प्रतिशत सीटों अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशियों के लिए आरक्षित हैं। एक सीट युद्ध में मारे गए रक्षा कर्मिकों के बच्चों के लिए आरक्षित है।

एम० टेक० (प्रौद्योगिकी निष्णात)

प्रौद्योगिकी निष्णात पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग अथवा प्रौद्योगिकी में स्नातक उपाधि अथवा विज्ञान में प्रथम श्रेणी (न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक) की मास्टर डिग्री आवश्यक है अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशियों के मामले में प्रौद्योगिकी निष्णात में प्रवेश हेतु पांच प्रतिशत अंकों की छूट दी गई है। पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है।

पी० एच० डी०

ऐसे प्रत्याशी जिनके पास इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में स्नातक/जिनके पास स्नातकोत्तर डिग्री है अथवा विज्ञान की स्नातकोत्तर डिग्री (न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक) है, वे पी० एच० डी० में पंजीकरण के पात्र हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों का प्रौद्योगिकी निष्णात में प्रवेश के लिए अंकों के प्रतिशत में दी गई छूट पी०एच०डी० में पंजीकरण के मामले में भी लागू है।

पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष/दो वर्ष उन प्रत्याशियों के मामले में जिन्होंने एम० टेक० की परीक्षा उसी प्रौद्योगिक संस्थान से उत्तीर्ण की है, जिसमें वह पंजीकरण कराना चाहते हैं।

शुल्क एवं भुगतान विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रति वर्ष निम्नलिखित शुल्क दिया जाता है :—

'क' शुल्क (ट्यूशन फीस)	'ख' संस्थान को देयता	बी० टेक०	एम० टेक०	पी०एच०डी०
		200	300	300
प्रवेश शुल्क		10	20	—
पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) शुल्क प्रतिभूति जमा		15	5	5
पुस्तकालय प्रतिभूति जमा		25	25	100
		25	25	25

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों से ली गई फीस आदि की प्रतिपूर्ति संबद्ध राज्य सरकारों से मिलने पर की जाती है। सामान्यतः सभी विद्यार्थियों और अनुसंधान छात्रों को संस्थान के परिसर में ही रहना होता है। इससे छात्र और अध्यापक संबंधों को बढ़ाने में सहायता मिलती है। (विस्तृत जानकारी हेतु परिशिष्ट 'ग' देखें)

भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली

भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली 1968 से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहा है। इस पाठ्यक्रम में भारत के अतिरिक्त अनेक एशियाई और अफ्रीकी देशों में छात्र हिस्सा लेते हैं।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारिता और संचार की विभिन्न शाखाओं में व्यावहारिक कुशलता और सैद्धान्तिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम की अवधि एक शैक्षिक वर्ष है।

प्रवेश हेतु अर्हताएं

अभ्यर्थी :

स्नातक उपाधि पत्रकारिता के कार्य में लगे प्रत्याशियों के मामले में छूटे।

वांछनीय :

पत्रकारिता में डिग्री अथवा डिप्लोमा या किसी समाचार पत्र, समाचार एजेंसी, पत्रिका अथवा प्रचार संगठन में काम करने का दो वर्ष का अनुभव। शुल्क शिक्षा शुल्क 1280 रु० है, जो एकमुश्त अथवा अधिसूचित चार बराबर किश्तों में देय है।

संस्थान छात्रावास (होस्टल) की सुविधाएं नहीं है। पत्रकार के रूप में काम करने वाले विदेशी छात्रों के लिए पत्रकारिता में नौ महीने का डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है। राज्य और केंद्रीय सूचना विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों के इन्टरमीजिएट स्तर के कार्मिकों के लिए छः सप्ताह का एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (वर्ष में छः) भी चलाया जाता है। विशिष्ट क्षेत्रों जैसे भारतीय भाषा में पत्रकारिता, रेडियो समाचार लेखन, छायांकन (फोटोग्राफी) तथा संचार के परम्परागत माध्यम आदि में भी अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं।

राजेन्द्र प्रसाद जनसंचार संस्थान

राजेन्द्र प्रसाद जनसंचार संस्थान जन संचार पाठ्यक्रम चलाने वाले मान्यता प्राप्त संस्थानों में से एक है। यह पाठ्यक्रम बम्बई, नई दिल्ली, बेंगलूर, अहमदाबाद, मद्रास, कोचीन, गुंतूरा, हैदराबाद, मंगलूर स्थित कालिजों के माध्यम से चलाया

जाता है। संस्थान अपने कालिजों में निम्नलिखित डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित करता है।

1. पत्रकारिता में डिप्लोमा एक वर्षीय पाठ्यक्रम है जिसमें निम्नलिखित प्रश्नपत्र होते हैं। 1. पत्रकारिता परिचय, 2. भारतीय संविधान और प्रेस, 3. समाचार लेखन रिपोर्टिंग (सामयिक मामलों सहित), 4. लेखन, 5. सम्पादन और 6. समाचार पत्र प्रबन्ध एवं मुद्रण/जनसंचार एवं माध्यम।
2. जनसंपर्क में डिप्लोमा भी एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसमें निम्नलिखित प्रश्न पत्र है 1. जनसंपर्क एवं जनसंचार के सिद्धांत, 2. जनसंपर्क के माध्यम एवं उपकरण, 3. सामूहिक जनसंपर्क, 4. पुस्तकों का सम्पादन और 5. विज्ञापन।
3. विज्ञापन तथा विपणन के एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय होते हैं 1. विज्ञापन सिद्धान्त और व्यवहार, 2. संचार माध्यम एवं सृजनात्मक विज्ञापन, 3. कला एवं प्रदर्शन, 4. विपणन, बिक्री संवर्धन और प्रबन्ध, 5. विपणन अनुसंधान तथा अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान।

फीस उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए समान है उसका विवरण निम्नानुसार है :—

	रुपये
1. पंजीकरण शुल्क	15.00
2. प्रवेश शुल्क	25.00
3. पुस्तकालय शुल्क	35.00
4. पुस्तकालय जमा (प्रतिदेय)	50.00
5. पाठ्येतर क्रियाकलाप शुल्क	10.00
6. विवरण पत्रिका एवं कालिज पत्रिकाएं	30.00
7. पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	100.00

शिक्षा शुल्क

शिक्षा शुल्क प्रवेश वर्ष के अप्रैल तथा नवम्बर माह में दो किस्तों में देनी होती है।

उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए फीस 100 रु० प्रति सत्र के हिसाब से देनी होती है। परीक्षा शुल्क 80 रु० है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक प्रत्याशी अधिक जानकारी हेतु निकट के संस्थान के निदेशक से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

आकाशवाणी स्टाफ प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी)

आकाशवाणी का स्टाफ प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) आकाशवाणी दूरदर्शन के तकनीकी स्टाफ को विशेषतया आकाशवाणी, दूरदर्शन में कार्यभार ग्रहण करने के समय ही प्रशिक्षण देने का कार्य करता है। संस्थान में कनिष्ठ प्रचालन कर्मचारियों हेतु तीन माह की अवधि का नियमित अभिविन्यास पाठ्यक्रम चलाया जाता है। इस पाठ्यक्रम में ध्वनि और दूरदर्शन प्रसारण के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धान्तिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती हुए पर्यवेक्षक अधिकारियों को भी प्रसारण इंजीनियरी प्रबंध तथा तकनीकी पहलुओं में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त संस्थान सेवारत इंजीनियरों के लिए प्रसारण के क्षेत्र में विशेष विषयों पर पाठ्यक्रम चलाता है ताकि प्रसारण के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न तकनीकी विकासों से उन्हें अवगत कराया जा सके।

अन्य संस्थान

नागर विमानन प्रशिक्षण संस्थान, इलाहाबाद सेवारत रेडियो तकनीशियनों और रेडियो प्रचालकों (आपरेटरों) आदि को प्रशिक्षित करता है।

रेडियो फिजिक्स और इलेक्ट्रानिक्स संस्थान, कलकत्ता प्रसार तथा दूरदर्शन इंजीनियरी में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी० टेक०) और प्रौद्योगिकी निष्णात (एम० टेक०) पाठ्यक्रम चलाता है। इसी प्रकार भारतीय टेलीफोन उद्योग, बेंगलूर संचार प्रौद्योगिकी में शिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

संघलोक सेवा आयोग, विभिन्न विभागों जैसे डाक एवं तार, आकाशवाणी संचार, मंत्रालय रक्षा सेवाओं और रेलवे आदि में डाक-तार एवं दूर संचार इंजीनियरिंग कार्मिकों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु प्रतिवर्ष एक संयुक्त इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा आयोजित करता है।

इस परीक्षा के लिए इच्छुक प्रत्याशियों के पास निम्नलिखित योग्यता होनी चाहिए :—

(क) इंजीनियरिंग की किसी भी शाखा में उपाधि प्राप्त हो।

अथवा

(ख) इंजीनियर्स संस्था (भारत) द्वारा आयोजित परीक्षाओं का भाग 'क' और 'ख' उत्तीर्ण हो।

अथवा

(ग) इन्स्टीच्यूट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड रेडियो इंजीनियरिंग, लन्दन की स्नातक सदस्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

इसके अतिरिक्त

(क) वह भारत/नेपाल/भूटान का नागरिक हो।

(ख) उम्र 27 वर्ष से कम हो (आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय) परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक प्रत्याशियों को 80 रु० (अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रत्याशियों के मामले में 20 रु०) शुल्क देना होता है यह परीक्षा शुल्क रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के माध्यम सचिव, संघलोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को देय होता है।

लिखित परीक्षा में सामान्य योग्यता परीक्षा तथा शारीरिक परीक्षा ली जाती है। परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण आयोग द्वारा समय समय पर निर्धारित किया जाता है।

अध्याय IV

डाक तार विभाग में भर्ती और सेवा शर्तें

डाक तार विभाग, संचार मंत्रालय के अन्तर्गत कार्य करता है और डाक-तार बोर्ड इसका प्रशासन संभालता है। डाक-तार बोर्ड में एक अध्यक्ष और छः सदस्य होते हैं। अध्यक्ष इसके साथ-साथ डाक तार महानिदेशक और संचार सचिव, भारत सरकार के रूप में भी कार्य करता है।

इस अध्याय में हमने पाठकों को डाक-तार विभाग में विभिन्न प्रकार के पदों (तकनीकी राजपत्रित और अराजपत्रित) विभिन्न पदों के लिए शैक्षणिक तथा व्यावसायिक योग्यताओं, वेतनमानों, भर्ती पद्धति और पदोन्नति के अवसरों आदि की जानकारी देने का प्रयास किया है।

डाक तार विभाग

डाक-तार विभाग में दो प्रकार की सुस्थापित सेवाएं हैं भारतीय डाक सेवा ग्रुप 'क' और भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' इसके अतिरिक्त नौ प्रकार की सेवाएं (ग्रुप 'क' तथा ग्रुप 'ख') और हैं जो निम्नलिखित हैं :—

प क

1. तार यातायात सेवा
2. सामान्य केन्द्रीय सेवा
3. भारतीय डाक-तार वित्त एवं लेखा सेवा

ग्रुप ख

1. डाक अधीक्षक सेवा
2. पोस्टमास्टर सेवा
3. तार यातायात सेवा
4. तार इंजीनियरी सेवा
5. डाक-तार लेखा एवं वित्त सेवा
6. सामान्य केन्द्रीय सेवा

सामान्य केन्द्रीय सेवाएं (ग्रुप 'क' और 'ख') प्रशासनिक सेवाएं हैं। इन सेवाओं के लिए चुने हुए व्यक्तियों को डाक-तार विभाग में नियुक्त किया जाता है तथा वे इसमें कार्य करते हैं।

संघलोक सेवा आयोग ग्रुप 'क' तथा 'ख' डाक सेवाओं में भर्ती हेतु सिविल सेवा परीक्षाओं के अंग के रूप में प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित करता है। पचास प्रतिशत पदों को वरिष्ठता व योग्यता के आधार पर पदोन्नति के माध्यम से भरा जाता है तथा बाकी पचास प्रतिशत पद संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण प्रत्याशियों से भरे जाते हैं। ग्रुप 'क' और 'ग्रुप 'ख' अधिकारियों के लिए वेतनमान क्रमशः 700-1300 तथा 650-1200 रु० है।

दूर संचार सेवा की दो शाखाएं हैं, एक दूर संचार इंजिनियरिंग से संबंधित और दूसरी तार यातायात से संबंधित है। क्षेत्रीय इकाइयों के अन्तर्गत मुख्यतः निम्नलिखित इकाइयां हैं : 1. दूरसंचार सर्किल जिनकी संख्या—159, 2. टेलीफोन जिले—27, 3. क्षेत्रीय अनुरक्षण संगठन—चार 4. दूरसंचार परियोजना सर्किल—चार 5. तकनीकी एवं विकास सर्किल—एक 6. दूरसंचार अनुसंधान केन्द्र—एक 7. उच्च स्तरीय दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र—एक, 8. अन्य सहायक इकाइयां।

इन सभी आठ क्षेत्रीय इकाइयों का प्रधान महाप्रबन्धक की श्रेणी (रैंक) का अधिकारी होता है, जिसकी सहायता के लिए कई कनिष्ठ अधिकारी तथा स्टॉफ होता है जिनका पूर्ण ब्यौरा, उनकी ड्यूटी, वेतनमान और भर्ती के तरीके नीचे दिये गये हैं।

डाक सेवाएं

डाकघर तीन प्रकार के होते हैं प्रधान, उप-डाकघर तथा शाखा डाकघर पहले दो डाकघर सभी डाक संबंधी अर्धडाक संबंधी अपर एजेन्सी कार्यों को करते हैं जबकि शाखा डाकघर मुख्यतः अर्धशहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में होते हैं और विभागेतर एजेन्टों द्वारा चलाए जाते हैं।

निम्नलिखित पैराग्राफों में विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों तथा उनके वेतनमान आदि का ब्यौरा दिया गया है। इन सभी पदों हेतु न्यूनतम अपेक्षित योग्यता मैट्रिक है और पद की आवश्यकतानुसार अनुभव की सीमा अलग अलग है।

डाकिया (केवल डाकघर) (एन० सी० ओ०) 380.10

डाकिया डाक, पार्सल, रजिस्ट्री तथा बीमाकृत लिफाफों मूल्यदेय (वी०पी०) वस्तुएं मनीआर्डर आदि डाकघर से लेता है और उन्हें अपने आवंटित क्षेत्र के अन्तर्गत रहने वाले लोगों को देता है। वह एक रजिस्टर बनाता है जिसमें वह रजिस्टर्ड पत्रों तथा वस्तुओं का रिकार्ड रखता है। यदि वह प्राप्तकर्ता को नहीं जानता है तब वह गवाहों के हस्ताक्षर करा लेता है। वह वरंग अथवा कम भुगतान किए गए पत्रों तथा वी० पी० वस्तुओं को लेता है और उनका रिकार्ड रखता है। कार्य के समय वह पावतियों को डाकघर में जमा करता है।

मुख्य डाकिया (केवल डाकघर) (एन० सी० ओ०) 361.40

वह डाकियों को कार्य देता है तथा उनके कार्य का पर्यवेक्षण करता है वह स्टाफ के समय पालन तथा डाक के सही पते पर शीघ्र वितरण को सुनिश्चित करता है। वह डाकियों के विरुद्ध शिकायतों की जांच पड़ताल करता है, धोखा घड़ी और दुर्विनियोग के मामलों की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को करता है।

पोस्ट मास्टर / नायक पोस्ट मास्टर (केवल डाक घर) (एन० सी० ओ०) 361.10. 361.20

पोस्ट मास्टर डाकघर में अपने अधीन काम कर रहे सभी कर्मचारियों के काम का नियन्त्रण तथा समन्वय करता है जिससे कि निर्धारित नियमों के अनुसार जनता के लिए प्रभावी सेवा सुनिश्चित की जा सके। वह अपने कार्यालय में अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए काम की जिम्मेदारियों का आवंटन और निर्धारण करता है। जनता को दो जाने वाली सेवाओं को सुकर बनाने के लिए काउन्टर बनाता है। वह संबद्ध डाक नियमों और विनियमों को प्रदर्शित करता है तथा विशेष और स्मारक टिकटों की विक्री का प्रचार करता है। सरकारी बन्ध पत्र आदि भी जारी करता है। डाकखर्च, लिफाफों, डाक टिकटों और अन्य डाक सामग्री की विक्री का निरीक्षण करता है। वह निर्धारित क्षेत्र में पत्रों, मनीआर्डरों आदि को समय पर एकत्रित करने और वांटने आदि के कार्यों की जांच करता है। वह रोकड़ वही लेखे वचत बैंक लेखे तथा अन्य निर्धारित अभिलेखों की भी जांच करता है। वह अपने कार्यालय और उप कार्यालयों से संबंधित लेखा परीक्षा कार्यालयों को लेखा-जोखा भेजता है। वह अपने अधीन कार्य करने वाले सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को वेतन और भत्तों का संवितरण करता है। जब उसकी नियुक्ति किसी डाकघर/उपडाकघर में इसी पद पर की जाती है तब वह पोस्ट मास्टर की

अधिकांश ड्यूटी पूरी करता है तब उसे नायब पोस्ट मास्टर के पदनाम से अनिहित किया जाता है।

डाक रक्षक (रेल डाक सेवा) डाक एजेंट (रे० डा० से०) [केवल डाकघर (एन० सी० ओ०) 379.10]

वह स्थानीय डाक गाड़ियों तथा रेलवे स्टेशन पर जाने आने वाली डाक रेल गाड़ियों से डाक थैलो पार्सलों आदि को अभिरक्षा करता है और उन्हें आगे भेजने के लिए उनका वितरण करता है। वह सोल तथा लेबलों में किसी प्रकार का हेर फेर होने पर उन की जांच करता है स्थानांतरित किए जाने वाले डाक थैलों और पार्सलों की डाक सूची तैयार करता है तथा प्राप्तकर्ताओं के हस्ताक्षर लेता है। डाक संबंधी अनियमितताओं की रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को करना भी उसकी ड्यूटी होती है। कभी कभी इसे रेलवे स्टेशन पर रेल डाक सेवा के कार्यालय में दूसरे कार्य भी करने होते हैं जैसे, डाक से आने वाली वस्तुओं की प्राप्ति छंटाई और प्रेषण आदि।

डाक छंटाईकार (मेल सार्ट) [केवल डाकघर (एन० सी० ओ०) 389.40]

डाक छंटाईकार आने वाली डाक पत्रों, पार्सलों, रजिस्टर्ड वस्तुओं आदि की सही प्राप्तकर्ताओं को सुपुर्द करने या संबंधित डाकघर को भेजने के लिए छंटाई करता है। वह क्षेत्र वार डाक को छंटाई के लिए एकत्रित करता है। स्थानीय वितरण के लिए डाकियों को वांटने अथवा रेलवे या वायु डाक सेवा के माध्यम से संबंधित डाकघर को भेजने हेतु वह डाक को भिन्न-भिन्न टोकरियों अथवा डाक थैलों में रखता है।

डाक वाहक (मेल कैरियर) [केवल डाकघर (एन० सी० ओ०) 389.20]

वह अपने क्षेत्र में डाकघरों और रेलवे स्टेशनों पर मेल वैन अथवा गाड़ी में डाक थैलों को लाने तथा ले जाने का कार्य करता है।

वह रेलवे स्टेशन अथवा प्रधान डाकघर से थैले एकत्रित करता है। वह उनकी गिनती करता है तथा उनकी पावती भेजता है। वह डाक को व्यवस्थित ढंग से मेल वैन या गाड़ी में रखता है सुरक्षा के लिए उसके साथ जाता है तथा रेलवे स्टेशन अथवा डाकघर में उन्हें सुपुर्द करके पावती प्राप्त करता है। वह बाहर जाने वाले तथा स्थानीय डाक थैलों को डाकघरों से एकत्रित करता है और उन्हें प्रधान डाकघर में सुपुर्द करके प्राप्ति की रसीद लेता है।

नीचे दी गई तालिका में उपर्युक्त पदों के वेतनमान और भर्ती की पद्धति आदि का विवरण दिया गया है :—

क्रम सं०	पदनाम	वेतनमान	भर्ती पद्धति
1	2	3	4
1.	डाकिया ग्रामीण डाकिया टिकट विक्रेता (ये सभी पद एक ही संवर्ग के तथा परस्पर परिवर्तनीय हैं)	200-260	50 प्रतिशत सीधी भर्ती से तथा 50 प्रतिशत विभागीय परीक्षा के आधार पर पदोन्नति द्वारा ऐसे व्यक्तियों में से जो मिडिल पास हो और 50 वर्ष से कम आयु के हों।
2.	शाखा पोस्ट मास्टर	225-350	क्रमांक एक पर दिए पदों में से वरिष्ठता सहयोग्यता आधार पर पदोन्नति द्वारा।
3.	डाक रक्षक डाक वाहक	200-260	25 प्रतिशत सीधी भर्ती से और 75 प्रतिशत मिडिल पास व्यक्तियों में से विभागीय परीक्षा के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
4.	डाक छंटाईकार	260-480	50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा मैट्रिक प्राप्तांकों के आधार पर तथा 50 प्रतिशत अवर संवर्ग में से पदोन्नति द्वारा।
5.	डाक बाबू (क्लर्क)	260-480	50 प्रतिशत भर्ती द्वारा मैट्रिक में प्राप्तांकों के आधार पर और 50 प्रतिशत ग्रुप 'घ' के डाकियों के अवर संवर्ग से।
6.	समयमान पोस्टमास्टर उप डाक कोषपाल (बेतार लाइसेंस निरीक्षक) (वेतन सहित)	260-480	5 वर्ष का अनुभव रखने वाले डाक क्लर्कों में से विभागीय परीक्षा के आधार पर।
7.	सहायक पोस्ट मास्टर नायब पोस्ट मास्टर अवर सेलेक्शन ग्रेड-I	425-640	दो तिहाई वरिष्ठता सह उपयुक्तता तथा योग्यता के आधार पर।
8.	उच्च सेलेक्शन ग्रेड-II पोस्ट मास्टर/ उप पोस्ट मास्टर	550-700	100 प्रतिशत भर्ती, अवर सेलेक्शन ग्रेड से योग्यता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

1	2	3	4
9.	पोस्ट मास्टर/उपपोस्ट मास्टर उच्च सेलेक्शन ग्रेड-I	700-900	एक तिहाई सेलेक्शन ग्रेड II के पोस्ट मास्टर/उप पोस्ट मास्टर में से योग्यता के आधार पर चयन द्वारा। दो तिहाई सीधी भर्ती द्वारा।

रेलवे डाक सेवा

रेलवे डाक सेवा (आर०एम०एस०) शाखा, श्रेणी तथा गन्तव्य स्थान के अनुसार डाक की छंटाई से संबंधित सभी कार्यों के लिए सभी मध्यवर्ती स्तरों पर जिम्मेदार है। वह डाक को मूल स्थान से वितरण कार्यालयों तक स्थानांतरित करने के लिए भी जिम्मेदार है। कार्यों के प्रभावी निष्पादन हेतु रेलवे डाक सेवा को तीन मुख्य इकाइयों में विभाजित किया गया है जैसे रेलवे डाक सेवा, डाक कार्यालय, रेलवे डाक सेवा अनुभाग तथा अभिलेख कार्यालय आदि। इस शाखा में कार्यरत स्टाफ की श्रेणियां निम्नलिखित हैं :

क्रम सं०	पदनाम	वेतनमान
1	2	3
1.	भंडार पड़ताल क्लर्क/क्लर्क	260-480
2.	प्लेटफार्म निरीक्षक	260-480 तथा 20 रु० प्रतिमाह का विशेष वेतन
3.	प्रधान छंटाई कार	260-480 तथा 45 रु० प्रतिमाह का विशेष वेतन
4.	अभिलेख क्लर्क	260-480 तथा 45 रु० प्रतिमाह का विशेष वेतन
5.	शाखा पर्यवेक्षक/सहायक प्रधान अभिलेख क्लर्क	425-750
6.	रेलवे डाक सेवा निरीक्षक/डाकघर निरीक्षक	425-700
7.	सहायक अधीक्षक	550-900
8.	उप अभिलेख क्लर्क (उ०से० ग्रे० (-II))	550-750
9.	प्रधान अभिलेख क्लर्क (उ०से० ग्रे० (-I))	700-900

छंटाईकार डाकबाबू के सदृश होता है तथा इसके लिए भर्ती पद्धति, योग्यताएं, प्रशिक्षण की अवधि आदि भी डाकबाबू के समान ही होती हैं। उन्हें विभिन्न पदों जैसे डाक कार्यालय में छंटाईकार अभिलेख कार्यालय में पड़ताल क्लर्क और

रेलवे डाक सेवा में क्लर्क आदि के पदों पर नियुक्त किया जाता है। वह अपनी ही लाइन में प्रधान छंटाईकार, अभिलेख/उप अभिलेख क्लर्क आदि पदों पर वरिष्ठता सह योग्यता के अनुसार पदोन्नति का पात्र होता है। वह कार्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक तथा रेलवे डाक पदोन्नति का पात्र होता है। वह कार्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक तथा रेलवे डाक सेवा में निरीक्षक के पद पर पदोन्नति का भी पात्र है।

छंटाईकार को संगत नियमों की जानकारी तथा डाकघरों के नामों की जानकारी संबंधी जांच हेतु पहले सात वर्षों में प्रत्येक वर्ष और उसके उपरान्त दसवें वर्ष तथा दक्षता रोध की अवस्था में एक वार्षिक परीक्षा देनी होती है। उसे 1000 कार्ड प्रति घंटे की गति से डमी कार्डों की छंटाई करनी होती है जिसमें एक प्रतिशत की की गलती की छूट होती है।

डाकघरों और रेलवे डाकसेवा में निरीक्षकों के सभी पद डाक तार बोर्ड द्वारा आयोजित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भरे जाते हैं जिसमें 35 वर्ष से कम आयु वाले क्लास III के कम से कम 5 वर्ष का अनुभव रखने वाले कर्मचारी बैठ सकते हैं। निरीक्षक डाकघर रेलवे डाक सेवा के सहायक अधीक्षक के पद पर पदोन्नति का पात्र होता है।

तार सेवा

तार यातायात शाखा केन्द्रीय अथवा विभागीय तार कार्यालयों से संबंधित यातायात तथा प्रचालन संबंधी मामलों को संभालती है। तार यातायात शाखा में दो समानांतर संवर्ग के अर्थात् लिपिकीय और प्रचालन वर्ग के व्यक्ति कार्य करते हैं। हम यहां पर केवल प्रचालन पक्ष का विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इस शाखा में सेवारत कर्मचारियों की मुख्य श्रेणियां हैं :—तार यातायात पर्यवेक्षक तार मास्टर, लिपिकीय पर्यवेक्षक, सहायक तार मास्टर, नगर निरीक्षक (तार) तार संकेतक, तार ओवरसियर तथा मुन्शी।

परीक्षण तार संकेतक/तार संकेतक (केवल डाक घर 391.10)

यह मोर्स संकेत में संदेश प्राप्त करने और भेजने हेतु मोर्स यन्त्र की कुंजी को चलाता है। यह ध्वनि संकेतों द्वारा संदेशों को संप्रसारित करता है, पढ़ता है, अर्थ निकालता है तथा इसके साथ-साथ (तार टेलीग्राफ) फार्म पर उन्हें उतारता है। परीक्षण तार संकेतक की हैसियत से यह संचार में आई खामियों को दूर करने तथा व्यवधान के कारण का पता लगाने हेतु तार लाइनों तथा तारों की जांच करता है। जब यह तार उपस्कर को चला करके और बत्ती अथवा पताका (फ्लैग)

संकेतों के प्रयोग से देशी और विदेशी सन्देश भेजता है तथा प्राप्त करता है, तब उसे तार सिग्नलर कहा जाता है।

तार संदेश वाहक [केवल डाकघर] (एन० सी० ओ०) 381.10]

यह प्राप्तकर्ताओं को तार शीघ्र पहुंचाने के उद्देश्य से तार कार्यालय से क्रम संख्या वाली वितरण पर्ची तथा तार एकत्रित करता है। यह प्राप्तकर्ता के तारीख और समय सहित हस्ताक्षर लेता है। अवितरित तार को वह संबद्ध कार्यालय को सौंपता है। यह सवार हरकारे (डिस्पैच राइडर) का भी कार्य करता है।

तार/टेलीफोन केबिल योजक (रप्लायर)

यह भूमि के ऊपर और अंदर विभिन्न रंगों के तारों के बने बहुसंवाहक तार या टेलीफोन केबलों को जोड़ता है। यह परीक्षण उपकरणों के प्रयोग से विद्युत रोधन तथा विद्युत अविच्छिन्नता को जानने के लिए दोनों तरीकों की जांच करता है।

टेलीफोन लाइन निरीक्षक/तार लाइन निरीक्षक (केवल डाकघर 389.75)

यह नये टेलीफोन और तार लाइनों के पिछले तथा विद्यमान टेलीफोन और तार लाइनों के रखरखाव का कार्य पर्यवेक्षण करता है। यह नई लाइनें बिछाने के लिए आवश्यक उपकरण तथा उस पर होने वाले खर्च का अनुमान आदि लगाने के लिए जिम्मेदार है। यह लाइनें बिछाने और उनके रखरखाव कार्य में लगे स्टाफ के सही उपयोग का पर्यवेक्षण भी करता है। जब कभी उसे तार लाइन में आए व्यवधान का पता लगाने और खराबी को दूर करने के लिए इसकी जांच के लिए लगाया जाता है, तब इसे तार यातायात निरीक्षक (केवल डाकघर 99.10) के पद नाम से अनिहित किया जाता है।

निरीक्षक तार संदेश वाहक/तार मास्टर, संदेश वाहक (केवल डाकघर 361.50)

यह तार संदेश वाहकों के कार्य पर्यवेक्षण करता है उन्हें कार्य आबंटित तथा वितरण पर्चियों की जांच करता है जिसमें कि तार संदेशों की शीघ्र सुपुर्दगी सुनिश्चित की जा सके। यह अनियमितताओं के बिगड़ होने वाली शिकायतों की भी जांच करता है।

प्रबंधक संचार/प्रबंधक टेलीफोन/तार अधीक्षक (केवल डाकघर 251.20)

यह निष्पादित कार्य और प्रत्यायोजित प्राधिकार से डाक, टेलीफोन तार बेतार में जन शक्ति धन और सामग्री के प्रभावी उपयोग के लिए इस व्यवस्था में लगे व्यक्तियों के कामों की व्यवस्था, समन्वयन और पर्यवेक्षण करता है।

तार इंजीनियर लाइन संचार या दूर संचार या टेलीफोन इंजीनियर (केवल डाकघर 022.70)

उस पद पर नियुक्त व्यक्ति तार टेलीफोन और अन्य दूर संचार उपकरणों की योजना और डिजाइन बनाने उन्हें लगाने तथा उनका रखरखाव करने का कार्य करते हैं। ये उपभोक्ताओं को विभागीय संयोजन की पूर्ति के लिए अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सही तरीके से भूमिगत समुद्री केबिल और अपनी लाइनें आदि विछाने की हिदायत देते हैं। विद्यमान उपकरणों की आयोजना उनके विकास और सुधार के कार्य भी इनके कार्यों में शामिल है।

यह संचार और यातायात लाइन की खराबी को देखता है और शीघ्रता से सामान्य सेवा बहाल करता है। इसे हस्तचालित, स्वचालित अथवा ट्रंक टेलीफोन केन्द्रों, टेलीप्रिन्टरों, बेतार संप्रेषण (वायरलेस ट्रान्समिशन) केन्द्रों को स्थापित करने तथा संबंधित उपकरणों के विनिर्माण में भी विशेषज्ञ होना चाहिए।

तार पर्यवेक्षक (केवल डाकघर 361.50)

यह परीक्षण तार संकेतक के कार्य का पर्यवेक्षण करता है तार लाइनों और औजारों की खराबी की जांच करता है, इन खराबियों को ठीक करता है तथा सन्देश भेजने में मार्ग दर्शन करता है। यह सही कनेक्शन विभिन्न परिपथों पर शक्ति दाब तथा लाइनों के प्रतिरोध के लिए तार लाइनों और उपकरणों की जांच करता है जिससे खराबियों का पता लगा कर उन्हें दूर किया जा सके। वह बाहर जाने वाली और अंदर आने वाली लाइनों के लिए उचित बोल्टता की जांच करता है। यह यंत्रों की खराबी को ठीक करने हेतु अनुरक्षण कर्मचारियों का मार्गदर्शन करने के लिए जिम्मेदार है। यह छोटे टेलीफोन केन्द्रों में टेलीफोन उपकरणों के रखरखाव तथा उपभोक्ताओं के बंबों की सजिस के कार्यों की देखभाल करता है।

तार मास्टर / तार नियंत्रक (केवल डाकघर 361.30)

यह तार संकेतक के कार्य का नियंत्रण समन्वयन तथा पर्यवेक्षण करता है, काम का बंटवारा करता है और ड्यूटी रोल बनाता है। वह तार कार्यालय के बंब

कक्ष में तार संकेतक के कार्यभार तथा प्रत्येक परिपथ के खंड में तार यातायात की जांच करता है। वह श्रेणी, भाषा आदि के अनुसार जैसे (तुरत एक्सप्रेस) साधारण, हिन्दी अथवा अंग्रेजी के तारों की छंटाई करने के लिए जिम्मेदार है तथा यातायात निकासी की भी व्यवस्था करता है। वह अनुभागों के कार्यों में उचित समन्वयन तथा प्रत्येक अवस्था में यातायात निकासी के कार्य की भी देखरेख करता है। यह प्राथमिक और आवश्यक संदेशों अथवा तारों की तुरन्त सम्प्रेक्षण और वितरण को सुनिश्चित करता है। यह तारों, मनीआर्डर, सूचनाओं तथा जवाबी तारों पर हस्ताक्षर करता है। यह संचार व्यवस्था में हुई खामियों की रिपोर्ट करता है और उन्हें दूर करता है।

भर्ती पद्धति

तार क्लर्कों की भर्ती पद्धति योग्यताएं और प्रशिक्षण आदि डाक बाबुओं के ही समान हैं। इनके मुख्य कार्यों में तारों की बुकिंग करना, सार्वजनिक पूछताछ का कार्य करना यन्त्र कक्ष में तारों का निपटान, तारों पर सही पता लिखना और उन्हें विकीर्णित करना तथा तार मनीआर्डरों का निपटान करना आदि शामिल है। ये 260—480 रु० के वेतनमान में रखे जाते हैं।

डाक अथवा तार क्लर्कों की ही भांति तार संकेतक संवर्ग में भी 75 प्रतिशत रिक्तियाँ सीधी भर्ती द्वारा ही भरी जाती हैं। शेष 25 प्रतिशत रिक्तियाँ तार क्लर्कों के संवर्ग में से विभागीय प्रत्याशियों के द्वारा भरी जाती हैं। चयन किए गए प्रत्याशियों को तार संकेतक के पद पर नियुक्ति से पूर्व 9 महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है। भर्ती के लिए बेसिक योग्यता हाईस्कूल/हायर सैकण्ड्री पास तथा आयु 25 वर्ष तक होनी चाहिए। तार संकेतक को 260—480 रु० प्रतिमाह का वेतनमान दिया जाता है यदि इनका चयन वितरण स्टाफ का पर्यवेक्षण करने वाले और शिकायतों की जांच करने वाले तार नगर निरीक्षक के पद पर होता है तो ये 40 रु० प्रतिमाह का विशेष वेतन पाने के भी हकदार होते हैं, जब तार क्लर्क/तार संकेतक को तैनाती फोनोग्राम क्लर्क के पद पर की जाती है, तब उसे 20 रु० प्रतिमाह का विशेष वेतन भी मिलता है।

छोटे तार कार्यालय का कार्यभार संभालने वाले तार संकेतक को 30 रु० प्रति माह का विशेष वेतन दिया जाता है। इसे अपनी ही लाइन में 425—650 रु० के अवर सिलेक्शन ग्रेड में 550—750 रु० के वेतन मान में उच्च सिलेक्शन ग्रेड में लिपिकीय पर्यवेक्षक/तार मास्टर पद पर पदोन्नति किया जा सकता है।

तार यातायात पर्यवेक्षक तार कार्यालय में प्रचालन और लिपिकीय दोनों ही संवर्गों (कैंडरों) पर नियंत्रण रखता है। इस संवर्ग से संबंधित 25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं तथा बाकी 75 प्रतिशत अवर सेलेक्शन ग्रेड तार मास्टर तार संकेतक समयमान लिपिक और अवर सेलेक्शन ग्रेड लिपिकों में से विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से भरे जाते हैं। चयन किए गए प्रत्याशियों की सेवा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है तथा उन्हें 425—750 रु० प्रतिमाह के वेतनमान में रखा जाता है। इसी प्रकार तार ओवरसीयर के पद को भी तार कार्यालय 'घ' श्रेणी के जमादार कर्मचारियों में से पदोन्नति के आधार पर भरा जाता है। इस पद के लिए वेतनमान 225—308 रु० है। भारत में टेलीफोन सेवाओं का एक उद्योग के रूप में अपना एक अलग अस्तित्व है, जिसमें हजारों व्यक्ति कार्यरत हैं। टेलीफोन सेवाओं में कुछ महत्वपूर्ण पदों के लिए उनके भर्ती नियमों और सेवा शर्तों के साथ विस्तृत वर्णन निम्नलिखित है।

टेलीफोन आपरेटर (केवल डाकघर 390.20)

यह स्थानीय टेलीफोन काल के लिए उपभोक्ताओं के टेलीफोन कनेक्शन मिलाने हेतु टेलीफोन स्विच बोर्ड को परिचालित करता है। यह स्विच बोर्ड पर आए काल संकेतों पर नजर रखता है तथा जवाबी प्लग को उसके अनुरूप जैक में लगाता है। यह स्पीक को दबाता है और काल संकेत देखता है तब यह काल बंद होने के संकेतों पर नजर रखता है और नोटिसिंग बलीयरैन्स पर प्लग को निकालता है। इसे ट्रंक पी० बी० एक्स० और विशेष प्रकार की सेवाओं पर भी कार्य करना होता है।

टेलीफोन सैक्रेनिक (लाइनमैन) (केवल डाकघर 857.20)

यह अपने क्षेत्र में टेलीफोन लाइनों, उपकरण कुंजी पटल आदि लगाता है, और उनकी मरम्मत तथा रखरखाव करता है। यह टेलीफोन और तार लाइनों के लिए खम्भे खड़े करता है तथा उनके बीच उचित दूरी, पंक्ति बद्धता, टिकाऊपन आदि सुनिश्चित करता है। टेलीफोन उपनिरीक्षक के निर्देशानुसार खम्भों पर तारों को खींचता है और उन्हें ढीला करके लटकाता है उपभोक्ताओं के घरों में टेलीफोन उपकरण तथा कुंजी बोर्ड लगाता है, निर्धारित समय पर उनकी जांच करता है, कोई खराबी होने पर खराबी का पता लगाता है तथा खराब पुर्जों और तारों को बदल कर या उनकी मरम्मत करके खराबियों को दूर करता है।

टेलीफोन सैक्रेनिक (केवल डाकघर 856.30)

यह तार कार्यालयों में तथा समाचार-पत्रों और समाचार एजेंसियों के परिसर में टेलीप्रिन्टर लगाता है और उनका रखरखाव करता है जिससे प्रभावी कार्य निष्पादन हो सके। रेखाचित्रों, आरेखों, परिपथों और अन्य विनिर्देशों का अध्ययन करता है। यह खराबी और खराब कार्य के कारणों का पता लगाने के लिए पुर्जों तारों और कार्य निष्पादन की जांच करता है। खराब हिस्सों और पुर्जों को बदलता है। मशीन के सहायक पुर्जों को जोड़ करके उन्हें ठीक तरह से लगाता है। परिपथ आरेखों के अनुसार वह पुर्जों में बिजली का कनेक्शन लगाता है तथा मशीन की कार्यक्षमता की जांच करता है।

संविदा अधिकारी (टेलीफोन) (केवल डाकघर 369.70)

यह टेलीफोन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों की जांच करता है, संविदाओं का निष्पादन करता है, आंकड़े तैयार करता है और नये टेलीफोन कनेक्शन देने के लिए सामान आदि की व्यवस्था करता है। यह उपभोक्ताओं के टेलीफोन उपकरणों को लगाने, हटाने और उनकी सर्विस करने के कार्य परिपथों और रिले व्यवस्था का प्रचालन परीक्षण करता है जिससे सही कार्य निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके वह केवल एक प्रकार के कार्य में जैसे उपकरण आदि लगाने अथवा उनके रखरखाव में विशेषज्ञ होता है।

टेलीफोन पर्यवेक्षक/टेलीफोन मोनीटर/इंजीनियरिंग पर्यवेक्षक फोन (केवल डाकघर 361.60)

यह टेलीफोन आपरेटरों और मोनीटरों के कार्य का पर्यवेक्षण करता है और यातायात के शीघ्र निपटान तथा टेलीफोन उपकरण के सही रख रखाव को सुनिश्चित करता है। यातायात में हुई देरी, लाइनों की गड़बड़ी और गड़बड़ी की अवधि ज्ञात करने के लिए व्यवधान रजिस्टर की जांच के लिए जिम्मेदार है।

दोष नियंत्रक, टेलीफोन (केवल डाकघर 399.20)

यह टेलीफोन लाइनों की खराबी की रिपोर्टों की जांच करता है और उन खराबियों को दूर करने की व्यवस्था करता है। यह खराब लाइनों अथवा उपकरण की खराबी की जांच करवाने तथा अनुरक्षण कर्मचारियों द्वारा उनकी मरम्मत करवाने के लिए टेलीफोन लाइन निरीक्षक को सूचना देता है। टेलीफोन आपरेटर के 80 प्रतिशत पद मैट्रिक पास प्रत्याशियों में से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं तथा बाकी 20 प्रतिशत अवर श्रेणी कर्मचारियों में से प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से

पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। प्रत्याशी को बद्ध श्रवण शक्ति, आवाज और दृष्टि बंधी शारीरिक स्वस्थता के कुछ निर्धारित तदण्डों को पूरा करना होता है। चुने गए उम्मीदवारों को तीन महीने की अवधि का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें 260—480 रु० प्रति माह का वेतनमान दिया जाता है। उन्हें अपनी लाइन में पर्यवेक्षक और वरिष्ठ पर्यवेक्षक के पद पर पदोन्नति का अवसर मिलता है। अवर सलेक्शन ग्रेड के दो तिहाई पद, वरिष्ठता सह स्वस्थता के आधार पर भरे जाते हैं तथा बाकी एक तिहाई पद इस ग्रेड में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले व्यक्तियों में से चयन के आधार पर भरे जाते हैं। उच्च सलेक्शनों ग्रेड पदों पर 100 प्रतिशत पदोन्नतियाँ अवर सलेक्शन ग्रेड के मॉनीटरों में से वरिष्ठता सह स्वस्थता के आधार पर की जाती हैं। अवर सलेक्शन ग्रेड मॉनीटरों को 425—640 रु० का तथा उच्च सलेक्शन ग्रेड मॉनीटरों को 550—750 रु० का वेतनमान दिया जाता है।

टेलीफोन विभाग के इंजिनियरिंग श्रेणी के विभिन्न पदों के लिए वेतनमान भर्ती पद्धति, अपेक्षित योग्यता और प्रशिक्षण अवधि आदि की सूचना निम्न सारणी में दी गई है :—

क्रम सं०	श्रेणी	वेतनमान	भर्ती पद्धति		अपेक्षित योग्यता		प्रशिक्षण अवधि
			सीधी भर्ती पदोन्नति प्रतिशतता	प्रतिशतता	सीधी भर्ती, पदोन्नति		
1	2	3	4	5	6	7	8
1. कनिष्ठ इंजी- नियर	साधारण ग्रेड सेलेक्शन ग्रेड	425-640 550-900 (10 प्रति०)	65	35 रिपीटर स्टेशन सहायक बेतार प्रचालक (आटो केन्द्र (एक्सचेंज) सहायक डाक- निरीक्षक के लिए 20 प्रतिशत और अन्यों के लिए 15 प्रति०	इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा या विज्ञान में डिग्री	भौतिकी और गणित सहित हायर सेकेन्ड्री के समकक्ष आयु 35- 40 वर्ष संवर्ग 5 वर्ष की सेवा	सीधी भर्ती के लिए 12 माह और पदोन्नति के लिए 16 माह
2. बेतार प्रचालक	सा० ग्रेड 380-560 सेलेक्शन ग्रेड 425-750	सा० ग्रेड 380- 560 सेलेक्शन ग्रेड 425-750	—	विभागीय प्रतियोगी परीक्षा द्वारा पदो- न्नति से 100 प्रतिशत	इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या भौतिकी गणित सहित विज्ञान में इंटर	भौतिकी गणित सहित मैट्रिकुलेट उम्र 35 वर्ष से कम 5 वर्ष की सेवा	सीधी भर्ती के लिए 8 माह पदोन्नति के लिए 12 माह
3. रिपीटर केन्द्र सहायक (102)	सा० ग्रेड सेलेक्शन सेलेक्शन ग्रेड	380-560 425-750	—	व्योपारि	इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा भौतिकी गणित सहित विज्ञान में इंटर	व्योपारि	9 माह

1	2	3	4	5	6	7	8
4. टेलीफोन अपरेटर	सा० ग्रेड 380-560 सले० ग्रेड 425-750 (10 प्रति०)			यथोपरि	यथोपरि	यथोपरि	9 माह
5. आटो केश सहायक	सा० ग्रेड 380-560 सले० ग्रेड 425-750 (10 प्रति०)	—		तकनीशियनों से 100 प्रतिशत	वही	वही	12 माह
6. दूर संचार तकनीशियन	सा० ग्रेड 260-480 सले० ग्रेड 425-640 15 प्रति०	65		35	इंजीनियरिंग/इलै- क्ट्रानिक्स में डिप्लोमा अथवा आई०टी० आई० शिक्षता प्रमाणपत्र	उम्र 35 वर्ष के बीच कम से कम 5 वर्ष की सेवा	वही 4 माह
7. केबिल योजक	सा० ग्रेड 260-480 सले० ग्रेड 330-480 (20 प्रति०)	सीधी भर्ती विभागीय उम्मीदवार उपलब्ध न होने पर		5 वर्ष की सेवा वाले वायरमैन आदि में से चयन करके 100 प्रति० विभागीय पदोन्नति	व्यवसायिक या औद्योगिक संस्थान का डिप्लोमा प्रमाणपत्र		
8. वायरमैन	सा० ग्रेड 210-270	25	75		मिडिल पास 6-12	35 वर्ष और कम	
9. लाइनमैन	सा० ग्रेड 210-270	5		मजदूरों में से 95 प्रति०	माह का अनुभव	—	

बाद टिप्पणी : फुटनोट

कालम दो में सा० ग्रेड साधारण ग्रेड के लिए प्रयुक्त हुआ है और (एस० जी०) सेलेक्शन ग्रेड सेलेक्शन ग्रेड के लिए सेलेक्शन ग्रेड के नीचे दिया गया प्रतिशत कुल पदों के सेलेक्शन ग्रेड के प्रतिशतता को दर्शाता है ।

अपनी ही लाइन में, लाइनमैन 260—350 रु० के वेतनमान में उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति के पात्र है। उपनिरीक्षक के 100 प्रतिशत पद लाइनमैनों में से वरिष्ठता सह उपयुक्तता के आधार पर भरे जाते हैं। ग्रेड में 5 वर्ष का सेवा का अनुभव रखने वाले निरीक्षक 330—480 के वेतनमान में लाइन निरीक्षक के पद पर चयन के द्वारा पदोन्नति के पात्र हैं। इसमें अतिरिक्त लाइन के कर्मचारियों को अन्य प्रत्याशियों के साथ केबिल योजक और उपर्युक्त पद पर पदोन्नति के लिए प्रतियोगिता में बैठने का अवसर दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त डाक तार विभाग के कुछ कर्मचारियों दूसरे लाभ जैसे, रात्रि ड्यूटी भत्ता, चिकित्सा भत्ता तथा सेवाकाल के दौरान और सेवा अवधि के बाद पेशन और उपदान आदि लाभ पाने के हकदार है। अधिकांश सेवा शर्तें अन्य सरकारी/अर्धसरकारी कार्यालयों में लागू शर्तों के समान ही है।

दूरसंचार सेवाएं

बेतार प्रचालक (वायरलैस आपरेटर) (केवल डाकघर 392.30)

यह कूट अथवा सामान्य भाषा के संदेशों की एक निश्चित तरंग दैर्घ्य पर प्राप्त करने तथा सम्प्रेषण करने के लिए बेतार उपकरण को (आपरेट) चलाता है और उनका रखरखाव करता है, तथा प्राप्त कूट संदेशों को आगे भेजने के लिए समझता है। यह डायल को घुमाने के लिए वायरलैस उपकरण को अपेक्षित आवृत्ति पर करता है तथा उसे अपेक्षित वाल्यूम और सुर (टोन) पर मिलाता है। वह प्राप्त होने वाले और भेजे गए संदेशों के लिए कार्य पंजी (लाग बुक) और रिकार्ड रखता है।

बेतार पर्यवेक्षक (केवल डाकघर 361.71)

बेतार प्रचालकों के कार्य और प्रगति की देखभाल करता है और उसका पर्यवेक्षण करता है। वह बेतार केंद्र की कार्यकुशलता को सुनिश्चित करता है। यह कार्मिकों के उपयोग का नियंत्रण समन्वय रखता है और उनकी दक्षता की जांच करता है। यह व्यवधानों (ब्रेक डाउन) का विवरण रिकार्ड करता है तथा शिकायतों के कारणों को दूर करने के उद्देश्य से (प्रचालन आपरेटिंग) एजेन्सियों के साथ सम्पर्क बनाए रखता है।

बेतार लाइसेंस निरीक्षक बेतार निरीक्षक (केवल डाकघर 369.85)

यह रेडियो लाइसेंस का निरीक्षण करता है तथा अभिग्राही (रिसीविंग) सेटों के गैरकानूनी उपयोग की जांच करता है। यह रेडियो सेट का प्रयोग करने वाल

के घरों में जाता है, लाइसेंस की जांच करता है तथा लाइसेंस फीस की खोरी करने वालों (लाइसेंस न रखने वालों) के विरुद्ध अभियोजन की कार्यवाही करता है। वह बेतार और रेडियो सैटों के नए विक्रेताओं (डीलरों) को लाइसेंस प्रदान करने के लिए उनके चरित्र, पूर्ववृत्तों और ऋण शोध क्षमता के बारे में जांच पड़ताल करता है। दोषपूर्ण सैटों की लाइसेंस फीस में छूट देने के लिए उनके मालिकों के आवेदनों की जांच करता है।

समुद्रपार संचार सेवाएं

तार सूक्ष्म तरंग (टेलिग्राफिक माइक्रोवेव) इंजीनियर / समुद्रपार संचार इंजीनियर समुद्रपार संचार केन्द्र अधिकारी (केवल डाकघर 392.10)।

यह समुद्रपारीय और लम्बी दूरी के संदेशों के सम्प्रेषण हेतु अधिसूचित समय पर निर्धारित चक्र में बेतार प्रेषण तथा अभिग्राही उपकरण को सेट करता है, उन्हें चलाता है और उनका रखरखाव करता है। उसका मुख्य कार्य अधिक से अधिक संदेशों के सम्प्रेषण हेतु संदेश प्रेषण उपकरणों को समायोजित करता है। यह जांच उपकरण (टैस्ट इक्विपमेंट) के प्रयोग से दोषपूर्ण हिस्सों का पर्यवेक्षण करता है, मरम्मत करता है तथा उन्हें बदलता है।

दूर संचार नियंत्रण इंजीनियर (केवल डाकघर 27.40)

यह तार और टेलीफोन/टेलेक्स यंत्र, रेडियो, रडार, विशेष सूक्ष्म तरंग (माइक्रोवेव) और अन्य दूरसंचार उपकरणों के डिजाइन तैयार करता है, उनका विनिर्माण करता है, उन्हें स्थापित करता है, चलाता है तथा देखरेख करता है। तार और टेलीफोन उपकरण की स्थापना हेतु क्षेत्र का सर्वेक्षण करता है वह नक्शे बनाता है और रेखाचित्रों को तैयार करता है। यह उपयुक्त दूरसंचार उपकरण, जैसे टेलीप्रिंटर, सिगनल उपकरण ट्रान्समीटर और रेडियो रिसीवर आदि को लगाने के लिए जिम्मेदार है। यह दूरसंचार उपकरण को चालू स्थिति में रखता है। इसी प्रकार रेडियो दूर संचार इंजीनियर, सूक्ष्म तरंग दूर संचार इंजीनियर (दूर संचार और लाइनसंचार) टेलीफोन इंजीनियर (दूर संचार और लाइन संचार) टेलीफोन इंजीनियर तार इंजीनियर आदि जो अपने अपने क्षेत्रों, जैसे सूक्ष्म तरंग टेलीफोन और तार इंजीनियरिंग संकायो में कार्य करते हैं, उन्हीं के समकक्षकार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। उपर्युक्त के अतिरिक्त श्रम, सामग्री/स्थापना और निर्माण की लागत, आदि का आकलन प्रस्तुत करना भी इनके कार्य क्षेत्र में आता है। आवृत्ति सम्प्रेषण तरंग दैर्घ्य के प्रसारण और रखरखाव

के लिए विद्युत उपकरण (जनितों जैन्टरों) वैकल्पियों (आल्टर्नेटों) मोटरों और उनके पुर्जों की भी जांच करता है तथा बेतार आदि के माध्यम से प्राप्त कूट संदेशों का अर्थ निकालते हैं।

निम्नलिखित सारणी में दूर संचार इंजीनियरिंग तथा तार यातायात सेवाओं में विभिन्न पदों की भर्ती पद्धति, वेतनमान तथा वर्गीकरण को दर्शाया गया है।

क्रम सं०	पदनाम	वर्गीकरण वेतनमान सहित	भर्ती पद्धति
1	2	3	4
1.	सहायक इंजीनियर	दूर संचार इंजीनियरी 650-1200 रु०	100 प्रतिशत जूनियर इंजीनियरों में से जिन्होंने 5 वर्ष की सेवा के बाद विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की है।
2.	सहायक जिला इंजीनियर	भारतीय टेलीफोन सेवा ग्रुप 'ए' का कनिष्ठ समयमान (टाइम स्केल) 700-1300 रु०	50 प्रतिशत इंजीनियरिंग सेवा प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत दूर संचार सेवा ग्रुप बी ग्रेड में 8 वर्ष की अनुमोदित सेवा करने वाले स्थायी अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा।
3.	जिला इंजीनियर	भारतीय टेली० सेवा का ग्रुप 'ए' वरिष्ठ समयमान 1100-1500 रु०	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' के कनिष्ठ समयमान के अधिकारियों में से वरिष्ठता और उपयुक्तता क्रम से पदोन्नति द्वारा।
4.	निदेशक/उप महाप्रबंधक	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' की कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा 1500-2000 रु०	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' में स्थायी तथा ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले भारतीय टेलीफोन सेवा ग्रुप 'ए' के वरिष्ठ समयमान के अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा।
5.	उप महानिदेशक/दूर संचार महाप्रबंधक	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' स्तर II वरि० प्रशा० ग्रेड 2250-2750 रु०	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' की 3 वर्ष की ग्रेड अनुमोदित सेवा वाले कनिष्ठ प्रशा० ग्रेड के अधिकारियों में से चयन द्वारा।

1	2	3	4
6. उप महानिदेशक/संचार प्रबन्धक	भारतीय टेली० सेवा ग्रुप 'ए' स्तर I वरि० प्रशासक ग्रेड 2500-2700 रु०	2 वर्ष की अनुमोदित सेवा वाले स्तर II के अधिकारियों से चयन द्वारा ।	
	तार यातायात सेवा		
7. अधीक्षक तार घर सहायक इंजीनियर तार यातायात अधीक्षक	तार यातायात सेवा ग्रुप 'बी' 650-1200 रु०	तार यातायात सेवा ग्रुप 'सी' के अधिकारियों में से चयन द्वारा ।	
8. संचार पर्यवेक्षक/वरिष्ठ तार यातायात अधीक्षक	तार यातायात सेवा ग्रुप 'ए' का ग्रेड II 1100-1600 रु०	तार यातायात सेवा ग्रुप 'बी' की 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों में से चयन द्वारा ।	
9. क्षेत्रीय तार नियंत्रक महानगरीय मुख्य अधीक्षक	तार यातायात सेवा ग्रुप 'ए' का ग्रेड I 1300-1700 रु०	तार यातायात सेवा ग्रुप 'ए' ग्रेड II के अधिकारियों में से वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा ।	
10. तार यातायात निदेशक, डाकघर निदेशालय	तार यातायात सेवा ग्रुप 'ए' के कनि० प्रशा० ग्रेड 1500-2000 रु०	तार यातायात सेवा ग्रुप 'ए' 3 ग्रेड I के ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले अधिकारियों में से चयन द्वारा ।	

संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधे भर्ती किये गए ग्रुप ए के अधिकारियों को परीक्षा अवधि आदि की समाप्ति पर वरिष्ठता सह योग्यता आधार पर 1200—1600 रु० प्रति माह के वेतनमान में वरिष्ठ समयमान अथवा समकक्ष संवर्गों में पदोन्नत किया जाता है । वरिष्ठ समयमान अधिकारियों को बारी आने पर 1500—2000 रु० प्रति माह के वेतनमान में निदेशक के पद पर पदोन्नत किया जाता है । दूर संचार क्षेत्र में उपमहानिदेशक की पदावधि के आधार पर 2250—2750 रु० प्रति माह के वेतनमान में इन पदों पर नियुक्ति की जाती है ।

डाक तार विभाग के अंतर्गत दूर संचार फैक्टरी संगठन की तीन उत्पादन यूनिटें कलकत्ता, जबलपुर और बम्बई में स्थित हैं । संगठन का प्रमुख महाप्रबन्धक होता है जिसका वेतनमान हो 2250—2500 रु० होता है । इसके अतिरिक्त उपमहाप्रबन्धक, सहायक महा प्रबन्धक/वरिष्ठ इंजीनियर, प्रबन्धक, सहायक प्रबन्धक, सहायक इंजीनियर, धातु विज्ञानी आदि के दूसरे महत्वपूर्ण पद हैं कनिष्ठ ग्रुप 'ए' के वरिष्ठ इंजीनियर और सहायक महा प्रबन्धक के पदों तक की 50 प्रतिशत

रिक्तियां सीधे भर्ती द्वारा भरी जाती हैं । बाकी 50 प्रतिशत पद 650—1200 रु० के वेतनमान में कार्य कर रहे ऐसे सहायक इंजीनियरों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं जो 425—700 रु० के वेतनमान में कार्य कर रहे तकनीकी सहायकों में से बारी आने पर पदोन्नत किए जाते हैं ।

धातु विज्ञानियों के पद संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधे भर्ती द्वारा धातु विज्ञान अथवा धातुकर्मीय इंजीनियरी की उपाधि रखने वाले धारक प्रत्याशियों में से भरे जाते हैं । उन्हें 650—1200 रु० प्रति माह का वेतनमान दिया जाता है ।

दूर संचार के सिविल इंजीनियरी विंग की तीन शाखाएं हैं जैसे सिविल इंजीनियरी, विद्युत (इलक्ट्रीकल) इंजीनियरी और वास्तुकला । इनमें ग्रुप बी के सहायक इंजीनियर तथा सहायक वास्तुविद के पद होते हैं । इनमें से 50 प्रतिशत पद इंजीनियर तथा सहायक वास्तुविद के पद होते हैं । इनमें से 50 प्रतिशत पर इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सीधे भर्ती द्वारा भरे जाते हैं । वरिष्ठ वास्तुविद की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती है । उसे 1500—2000 रु० का मूल वेतन दिया जाता है । सिविल इंजीनियरी विंग का प्रमुख अधीक्षक इंजीनियर होता है, जो 1500—2000 रु० के वेतनमान में होता है तथा इसकी नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से सीधे भर्ती द्वारा की जाती है । 500—900 और 2250—2500 रु० के बीच के ग्रेड के पदों की भर्ती का विवरण और वेतनमान का पूरा विवरण निम्न तालिका में दिया गया है :—

क्रम संख्या	पद	वेतनमान	अर्हता	भर्ती पद्धति
1	2	3	4	5
1.	सहायक इंजीनियर (दूर-संचार फैक्ट्री) सिविल इंजीनियरी	650-1200 रु०	इंजीनियरी में डिग्री	50 प्रतिशत कनिष्ठ इंजीनियरों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने पर ;
2.	सहायक प्रबन्धक/सहायक अधिकारी इंजीनियर	700-1300 रु०	विज्ञान में स्नातकोत्तर	संघ लोक सेवा आयोग की सम्मिलित सेवा परीक्षा के उपाधि, बेतार जरिए सीधे भर्ती संचार सहित

1	2	3	4	5
3.	वास्तुविद/सहायक निर्माण मार्ग सर्वेक्षक सहायक तक- नीकी परीक्षक		इलेक्ट्रॉनिकी- रेडियो वास्तु- कला इंजीनि- यरी एक विशेष विषय के रूप में	इंजीनियरी परीक्षा ।
4.	सहायक महाप्रबन्धक वरिष्ठ इंजीनियर वास्तुविद अधि- शासी इंजीनियर	1100-1600 यथोपरि रु०		50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत सहायक इंजीनियरों, सहायक प्रबन्धक की पदोन्नति द्वारा ।
5.	प्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक । अधीक्षक इंजीनियर/ वरिष्ठ वास्तुविद	1500-2000 यथोपरि रु०		तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'ए' के अधिकारियों में से तथा कार्यशाला इंजीनियरों में से पदोन्नति द्वारा ।
6.	महाप्रबन्धक	2250-2550 यथोपरि रु०		केवल क्रम सं० 5 के पदों में से पदोन्नति द्वारा ।

अध्याय V

आकाशवाणी और दूर दर्शन में भर्ती तथा सेवा शर्तें

आकाशवाणी महानिदेशालय, प्रमुख महानिदेशक होता है । उनकी सहायता के लिए एक मुख्य अभियन्ता और सात उपमहानिदेशक होते हैं जो कार्यक्रम, निरीक्षण, विज्ञापन सेवाओं, प्रशासन तथा सुरक्षा का कार्य देखते हैं । एक आकाशवाणी केन्द्र पर नियंत्रण रखने के लिए एक केन्द्र निदेशक होता है जिसकी सहायता के लिए कार्यक्रम और इंजीनियरी स्टाफ होता है । निम्नलिखित पैराग्राफों में आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के महत्वपूर्ण पदों के लिए शर्तों, भर्ती पद्धतियों तथा कार्यों का संक्षिप्त रूप से बताने का प्रयास किया गया है ।

कार्यक्रम संवर्ग (प्रोग्राम कैडर)

अराजपत्रित संवर्ग में 425—750 रु० के वेतनमान में प्रसारण कार्यपालकों के पद हैं । इनमें से 85 प्रतिशत पद नाटक अथवा वाद विवाद क्रिया कलाओं का ज्ञान रखने वाले तथा आकाशवाणी केन्द्र की मुख्य भाषाओं में से एक भाषा का ज्ञान रखने वाले द्वितीय श्रेणी के स्नातकों में से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं । बाकी 15 प्रतिशत पद कार्यक्रम सचिवों, स्टूडियो कार्यपालकों, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष आदि में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं । प्रसारण कार्यपालकों के 25 प्रतिशत पदों को 550—900 रु० के वेतनमान में सेलेक्शन ग्रेड में रखा जाता है ।

राजपत्रित अधिकारियों का संवर्ग 650—1200 रु० के वेतनमान में ग्रुप 'बी' के कार्यक्रम अधिकारियों के पद से प्रारम्भ होता है । इनके 75 प्रतिशत पद उच्च माध्यमिक स्तर की किसी भारतीय भाषा की जानकारी रखने तथा सामयिक मामलों भारतीय इतिहास, संस्कृति, संगीत नाटक अथवा अन्य प्रकार की सांस्कृतिक और कला संबंधी अभिव्यक्तियों की जानकारी रखने वाले द्वितीय श्रेणी के स्नातकों में से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं । कार्यक्रम अधिकारियों के बाकी 25 प्रतिशत पद ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले प्रसारण कार्यपालकों में से भरे जाते हैं । कार्यक्रम अधिकारी कार्यक्रमों के आयोजन, सन्ध्या प्रस्तुतीकरण और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है । कार्यक्रम अधिकारी

के 25 प्रतिशत पद 700-1300 रु० के सेलेशन ग्रेड के पद हैं। सहायक केन्द्र निदेशकों के 75 प्रतिशत पद आकाशवाणी के कार्यरत ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण करने वाले कार्यक्रम अधिकारियों में से भरे जाते हैं। सहायक केन्द्र निदेशकों के बाकी 25 प्रतिशत पद कम से कम एक भारतीय भाषा के साहित्य का और भारतीय सांस्कृतिक परम्परा का अच्छा ज्ञान रखने वाले राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में सक्रिय रुचि रखने वाले किसी जिम्मेदारी के पद पर कार्य करने का 5 वर्ष का अनुभव रखने वाले स्नातकों में से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। यह 900-1400 रु० के वेतनमान में ग्रुप 'ए' का राजपत्रित पद है।

केन्द्र निदेशक केन्द्र का प्रमुख होता है। यह मुख्यतः केन्द्र के प्रभावी काय के लिए जिम्मेदार है। इसके मुख्य कार्यों में कार्यक्रमों का तथा पर्यवेक्षण, प्रशासन और लेखा का नियन्त्रण केन्द्रों को कार्यक्रमों का समन्वयन तथा पर्यवेक्षण आदि शामिल हैं। कार्यालय प्रमुख होने के नाते कहीं-कहीं वह इंजीनियरी मामलों के लिए भी जिम्मेदार है। केन्द्र निदेशकों के 75 प्रतिशत पद ग्रेड में 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले सहायक केन्द्र निदेशकों में से भरे जाते हैं। बाकी 25 प्रतिशत पद कार्यक्रमों के आयोजन और प्रस्तुतीकरण अथवा पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन अथवा संगीत नाटक, विभिन्न विकासशील क्षेत्रों में शिक्षा विस्तार कार्य, अथवा जन संपर्क साधन, अनुसंधान आदि का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले द्वितीय श्रेणी के स्नातकों में से संघलोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। केन्द्र निदेशक का पद ग्रुप 'ए' का राजपत्रित पद है और उसका वेतनमान 1100-1600 रु० से 20 प्रतिशत पद सेलेशन ग्रेड के होते हैं जो सामान्यतः ग्रेड में 6 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले केन्द्र निदेशकों (साधारण ग्रेड) को दिया जाता है। इस संवर्ग में अगला उच्च पद उपमहानिदेशक का है जो 2000-2250 रु० के वेतनमान में होता है। यह पदोन्नति का पद है और इसे संवर्ग में दस वर्ष एवं सेलेशन ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले केन्द्र निदेशकों में से भरा जाता है। आकाशवाणी में उच्चतम पद महानिदेशक का है, जिन्हें 3000 रु० प्रतिमाह का निश्चित वेतन मिलता है। यह पद या तो उपमहानिदेशकों में से पदोन्नति द्वारा भरा जाता है अथवा भारतीय प्रशासनिक सेवा, केन्द्रीय ग्रुप 'ए' अथवा राज्य सिविल सर्विस संवर्ग के अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर या स्थानांतरण द्वारा भरा जाता है।

कार्यक्रम स्टाफ की कुछ अन्य श्रेणियां भी हैं, जो परिवार कल्याण, कृषि और घरेलू सेवाओं आदि से संबंधित विशेष कार्यक्रमों के आयोजन तथा प्रस्तुतिकरण में लगे होते हैं। ये सभी पद सामान्यतया संबद्ध विभागों/संगठनों से प्रतिनियुक्ति पर भरे जाते हैं।

श्रोता अनुसंधान एकक

आकाशवाणी में एक श्रोता अनुसंधान एकक है। यह जनता की श्रवण आदता का विश्लेषण करती है, तार्किक कर्मचारी तदनुसार कार्यक्रमों में सुधार कर सकें इस एकक में निदेशक, उपनिदेशक और श्रोता अनुसंधान अधिकारी के पद हैं जो क्रमशः 1500-2000 रु०, 1100-1600 तथा 700-1300 रु० के वेतनमान में हैं।

श्रोता अनुसंधान अधिकारी के पद के लिए संघलोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती होती है। इस पद के लिए अपेक्षित योग्यता समाजशास्त्र/मनोविज्ञान/अर्थशास्त्र आदि में डिग्री तथा उसके साथ सामाजिक सांख्यिकी के विश्लेषण और संग्रह का लगभग तीन वर्ष का अनुभव है। आयु सीमा 30 वर्ष और उससे कम है। श्रोता अनुसंधान अधिकारी मुख्यतः जनता की श्रवण आदतों से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण और जांच कार्य करते हैं। उपनिदेशक का पद श्रोता अनुसंधान अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा भरा जाता है तथा निदेशक का पद भारतीय आर्थिक/सांख्यिकीय सेवा से संबद्ध है।

आकाशवाणी का इंजीनियरी विभाग

इंजीनियरी संवर्ग में सबसे निचले रैंक में तकनीशियन आते हैं जो अराजपत्रित 'ग' समूह के कर्मचारी हैं। उन्हें 330-480 रु० का वेतनमान मिलता है। इन पदों की भर्ती के लिए आयु सीमा 18-25 वर्ष है। मैट्रिक पास तथा रेडियो इलेक्ट्रॉनिक्स में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से दो वर्षीय व्यवसाय (प्रशिक्षण) प्रमाणपत्र प्राप्त व्यक्ति तथा 1 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव रखने वाले इलेक्ट्रिशियन इन पदों के पात्र हैं। वातानुकूलन और प्रशीतन (रेफ्रिजरेशन) में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का एक वर्षीय व्यवसाय प्रशिक्षण प्रमाण पत्र के साथ दो वर्ष का अनुभव रखने वाले अथवा वायरमेन/मैकेनिक का अथवा इलेक्ट्रिशियन/फिटर का सक्षमता प्रमाण पत्र/डिप्लोमा प्राप्त तथा बिजली का उपयुक्त लाइसेंस रखने वाले व्यक्ति इन पदों पर नियुक्ति के पात्र हैं। इन पदों के लिए शत प्रतिशत सीधी भर्ती की जाती है। परीक्षा की अवधि दो वर्ष है।

इंजीनियरी सहायक के 80 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता रेडियो/दूरसंचार/इलैक्ट्रॉनिकी वैद्युत संचार इंजीनियरी में तीन वर्षीय डिप्लोमा अथवा भौतिकी विषय सहित डिग्री अथवा वैद्युत इंजीनियरी में डिग्री रिकॉर्डिंग और ध्वनि इंजीनियरी में डिप्लोमा है। आयु सीमा 18-25 वर्ष के बीच है। विभागीय उम्मीदवारों के लिए 35 वर्ष तक की छूट है। उन्हें बेतार अथवा रेडियो इंजीनियरी का ज्ञान भी अवश्य होना चाहिए। उन्हें 425—750 रु० के वेतनमान में रखा जाता है। परिवीक्षा अवधि दो वर्ष है। इंजीनियरी सहायकों के बीस प्रतिशत पद आकाशवाणी में 5 वर्ष का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ तकनीशियनों के लिए होते हैं। वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक के पदों का वेतनमान 550—900 रु० है। 3 वर्ष का ग्रेड का अनुभव रखने वाले इंजीनियरी सहायक वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों के पद पर पदोन्नति के पात्र है। कम से कम दो वर्ष की सेवा का अनुभव और इंजीनियरी की डिग्री योग्यता वाले सीनियर इंजीनियरी सहायकों को ही केवल सहायक इंजीनियर के पद पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होता है।

आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ड' के राजपत्रित अधिकारी होते हैं तथा वे 650—1200 रु० के वेतनमान में कार्य करते हैं। भर्ती की आयु 30 वर्ष और उससे कम है। शैक्षिक योग्यता वैद्युत इंजीनियरी, संचार इंजीनियरी, इलैक्ट्रॉनिकी में डिग्री अथवा बेतार संचार के साथ भौतिकी में एम० एस० सी० डिग्री है। इनके 40 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं तथा बाकी 60 प्रतिशत पद वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों में से पदोन्नति के आधार पर भरे जाते हैं।

इसके बाद सहायक केन्द्र अभियंता इंजीनियर के पद है। ये 700—1300 रु० के वेतनमान में ग्रुप 'क' के अधिकारी होते हैं। शैक्षिक योग्यता वैद्युत इंजीनियरी/वैद्युत संचार इंजीनियरी/इलैक्ट्रॉनिकी में डिग्री/बेतार संचार के विशेष विषय सहित एम० एस० सी० (भौतिकी) डिग्री है। 30 वर्ष से कम आयु वाले व्यक्ति इन पदों के पात्र है। चुने हुए व्यक्तियों को दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण करनी होती है। 60 प्रतिशत की इंजीनियरी सेवा इलैक्ट्रॉनिकी परीक्षा के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। बाकी पद सहायक इंजीनियरों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं।

सहायक केन्द्र अभियंता से अगले पद केन्द्र अभियंता (इंजीनियर) 1100—1600 रु० के वेतनमान में, वरिष्ठ इंजीनियर 1800—2000 रु० के वेतनमान में, अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर 2000—2500 रु० के वेतनमान में तथा मुख्य इंजीनियर 2500—3000 रु० के वेतनमान में है। ये सभी पदोन्नति के पद हैं।

और क्रमशः उच्च कैरियर प्रदान करते हैं। प्रशंसनीय पद और उपलब्धियों वाले व्यक्ति तथा समय चीफ इंजीनियर के पद तक उन्नति कर सकते हैं।

दूरदर्शन में पद

आकाशवाणी महानिदेशालय के दो शाखाओं में विभाजन के परिणामस्वरूप दूरदर्शन महानिदेशालय का अलग अस्तित्व सामने आया। अतः 1979 में निर्मित नियमों के अन्तर्गत ही दूरदर्शन महानिदेशालय में विभागीय कलाकारों (स्टाफ आर्टिस्टों) की भर्ती की जाती है।

दूरदर्शन में प्रदर्शन, प्रस्तुतीकरण, उद्घोषण, वाद्य संगीत और रिपोर्टिंग से लेकर डिजाइनिंग सज्जा और रूप सज्जा (मेकअप) आदि से संबंधित पद है। संगीतकार से आशा की जाती है कि उसे संबंधित क्षेत्र में सुगम और लोक संगीत का ज्ञान हो। उन्हें आकाशवाणी के संगीतकारों के अनुमोदित, पैनल में होना चाहिए। उनके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता मैट्रिक पास तथा संगीत में डिप्लोमा अथवा डिग्री है। आयु सीमा 21-45 वर्ष के बीच है। ये पद प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन माध्यम से भरे जाते हैं। उन्हें 550—900 रु० का वेतन ग्रेड दिया जाता है।

फिल्म सम्पादक को मैट्रिक पास तथा फिल्म सम्पादन में डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त होना चाहिए। उसे स्थानीय भाषा का भी ज्ञान होना चाहिए। उम्मीदवार की 21-30 वर्ष के बीच की आयु का होना चाहिए। इन सभी पदों के लिए सीधी भर्ती होती है। उन्हें 470—750 रु० का वेतनमान दिया जाता है।

330—480 रु० के वेतनमान में फिल्म प्रक्षेपक के पद होते हैं। ये सभी पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। इस पद के लिए उम्मीदवार की आयु 21-30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उसे मैट्रिक प्रमाणपत्र तथा 35 मिमी और 16 मिमी प्रक्षेपित (प्रोजेक्टर) का सिनेमा प्रचालक (ऑपरेटर) लाइसेंस और व्यवसाय का कम से कम दो वर्ष का अनुभव होना चाहिए। दृश्य परिकल्पनाकारों डिजाइनरों के 75 प्रतिशत पद जो 550—900 रु० के वेतनमान में होते हैं, सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। इसके 25 प्रतिशत पद ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा पूरी करने वाले प्रस्तुति सहायकों (सेट निर्माण) में से वरिष्ठता सहयोग्यता के आधार पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। इन पदों के उम्मीदवारों को ग्रेड में तीन वर्ष का अनुभव और मंच शिल्प (स्टेज क्राफ्ट) में डिप्लोमा/डिग्री धारक होना चाहिए। उनकी आयु 21 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रस्तुति सहायकों के सभी पद व्यवसाय में तीन वर्ष

का अनुभव रखने वाले मंच सहायकों, फ्लोर, असिस्टेंटों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं तथा उन्हें 425—700 रु० का वेतनामन दिया जाता है। रुप सज्जा (मेकअप) सहायकों को मैट्रिक पास, नाटक में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र प्राप्त तथा रुप सज्जा में विशेषता और क्षेत्र में 3 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव होना चाहिए। इन पदों पर शतप्रतिशत भर्ती प्रमुख समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए सीधी भर्ती द्वारा की जाती है। इन पदों की सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा 21 से 30 वर्ष के बीच है।

प्रस्तुति सहायक (सजीवता) सीधी भर्ती द्वारा 425—750 रु० के वेतनमान में नियुक्त किए जाते हैं। उम्मीदवार को मैट्रिक का प्रमाण पत्र, ललित कला/वाणिज्यिक कला में डिप्लोमा प्राप्त तथा एक-से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए। वह वरिष्ठता सहयोग्यता के आधार पर 650—1200 रु० के वेतनमान में पारचयांकन (ग्राफिक) पर्यवेक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर सकता है।

प्रस्तुति उद्घोषक (कॉन्सट) का पद 550—900 रु० के वेतनमान में सीधी भर्ती द्वारा भरा जाता है। उम्मीदवार के पास डिग्री दूरदर्शन के उपयुक्त और अच्छी आवाज एवं व्यक्तित्व, सही उच्चारण लहजा और स्वर सामंजस्य के साथ-साथ संगीत, नाटक, संबद्ध क्षेत्र के साहित्य और संस्कृति की जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ-साथ उसे राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय सामयिक मामलों की भी जानकारी होनी चाहिए। आयु सीमा 21-30 वर्ष है। प्रस्तुतिकरण उद्घोषक कॉन्सट ग्रेड में कम से कम दो वर्ष की सेवा पूरी करने पर वरिष्ठ सहयोग्यता के आधार पर 650—1200 रु० के वेतनमान में प्रस्तुतिकरण सहायक (वरिष्ठ) के पद पर पदोन्नत किए जा सकते हैं।

प्रस्तुति सहायक (निर्देशन) का पद 425—750 रु० के वेतनमान में होता है। इसकी भर्ती के लिए अनिवार्य अपेक्षाएं डिग्री के साथ-साथ दूरदर्शन फिल्म मंच के निर्देशन में डिग्री/डिप्लोमा तथा मैट्रिक स्तर के बराबर भाषा का ज्ञान है। उस संबद्ध क्षेत्र की संस्कृति और साहित्य की जानकारी तथा उस पद से संबंधित विषय की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। उम्मीदवार को 21-30 वर्ष के बीच की आयु का होना चाहिए। इन सभी पदों की भर्ती प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए की जाती है। निर्माता प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड II के 50 प्रतिशत पद जो कि 650—1200 रु० के वेतनमान में होते हैं, वरिष्ठता सहयोग्यता के आधार पर प्रस्तुति सहायकों में से भरे जाते हैं। तीन वर्ष का अनुभव

रखने वाले निर्माता/प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड II रिक्तियां होने पर 700-1300 रु० के वेतनमान में निर्माता प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड I के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

अगले संवर्ग में (प्रस्तुति सहायक समाचार एवं सामयिक मामलों) समाचार रिपोर्टर, निर्माता/प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड II (समाचार एवं सामयिक मामले) प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड I, समाचार संवाददाता आदि आते हैं। ये क्रमशः 425—700, 650—900, 650—1200, 700—1300 और 1100—1600 रु० का वेतनमान पाते हैं। मूलतः इन सभी पदों के लिए द्वितीय श्रेणी की डिग्री, पत्रकारिता में डिप्लोमा तथा विभिन्न पदों का दो से चार वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। इन सभी पदों पर कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय मामलों की जानकारी, दृश्य पत्रकारिता का अनुभव तथा मैट्रिक स्तर तक का अथवा उसके समकक्ष किसी भाषा विशेष का ज्ञान होना चाहिए। प्रस्तुति सहायक (समाचार और सामयिक मामले) और समाचार रिपोर्टर के सभी पदों की शत प्रतिशत सीधी भर्ती होती है जिनमें से 50 प्रतिशत पदों के लिए बारी आने पर अगले उच्च पद पर पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो जाते हैं। निर्माता/प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड II के पचास प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा भरे जाते हैं। इनमें से सभी को निर्माता/प्रस्तुतिकर्ता ग्रेड I के पद पर शत प्रतिशत पदोन्नति का अवसर मिल जाता है, जिनमें से दोबारा बारी आने पर 50 प्रतिशत व्यक्तियों को समाचार सम्पादक/समाचार संवाददाता के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

समाचार सम्पादकों को फिर बारी आने पर 1300—1700 रु० के वेतनमान में मुख्य प्रस्तुतिकर्ता/निर्माता (समाचार एवं सामयिक मामले) के पदों पर पदोन्नति के शत प्रतिशत अवसर मिल जाते हैं।

अध्याय VI

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय और अन्य अभिकरणों (एजेन्सियों) में भर्ती और सेवा शर्तें

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय (डी० ए० वी० पी०)

1. प्रदर्शन और वर्गीकृत विज्ञापनों, 2. प्रदर्शनियों, 3. बाह्य प्रचार, 4. मुद्रित प्रचार, 5. रेडियो विज्ञापन (स्पार्टस) के माध्यम से रेलवे को छोड़कर भारत सरकार के और सभी मंत्रालयों/विभागों के कार्यों, नीतियों और कार्यक्रमों का प्रचार करने वाले केन्द्रीय एजेन्सी के रूप में कार्य करता है ।

ये कार्य विभिन्न स्कंधों में हैं जैसे :

1. अभियान एवं अनुसंधान, 2. कापी विंग, 3. कला (आर्ट) स्टूडियो, 4. मुद्रित प्रचार, 5. बाह्य प्रचार, 6. वितरण, 7. विज्ञापन, 8. प्रदर्शनी स्कंध के माध्यम से किए जाते हैं ।

प्रत्येक स्कंध एक वरिष्ठ अधिकारी के प्रभाराधीन होता है जो अपने कार्य क्षेत्र में विशेषज्ञ होता है ।

निदेशालय के तीन वितरण केन्द्र बम्बई, कलकत्ता और मद्रास में हैं तथा पूरे भारत में 39 क्षेत्रीय दर्शनी कार्यालय हैं ।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय का प्रमुख निदेशक होता है । इनकी सहायता के लिए तथा कुशल प्रशासन और सरकारी कार्यों एवं जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए उपनिदेशक एवं विभिन्न स्कंधों के प्रमुख होते हैं ।

कुछ तकनीकी पदों की भर्ती पद्धति और वेतनमान आदि का विवरण नीचे दिया गया है :—

कुछ तकनीकी पदों का विवरण, उनकी योग्यता, वेतन, ग्रेड और भर्ती पद्धति आदि सहित नीचे की सारणी में दिया गया है

क्रम सं०	पदनाम	वेतनमान	शैक्षिक योग्यता	आयु सीमा	भर्ती पद्धति
1	2	3	4	5	6
1.	कनिष्ठ तकनीकी सहायक (प्रदर्शन, फैब्रीकेशन, सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग)	425-700	- बढईगीरी (नमूनाकारी पैटर्न मेकिंग) में औद्योगिक (आई०टी०आई०) प्रमाण पत्र (कनिष्ठ तकनीकी सहा० प्रदर्शन और फैब्रीकेशन के लिए) - चित्रकारी और सजावट (पेंटिंग और डेकोरेटिंग) में आई० टी० आई० प्रमाण-पत्र (सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग के लिए) - व्यवसाय में 3 वर्ष का अनुभव	30 वर्ष	रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती
2.	क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी	650-960	- किसी भी विषय में विश्वविद्यालय की डिग्री - प्रचार कार्य का 3 वर्ष का अनुभव	30 वर्ष	दो तिहाई संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा और एक तिहाई ग्रेड का अनुभव रखने वालों में से पदोन्नति द्वारा
3.	प्रदर्शनी अधिकारी	820-1150	- कला में उपाधि/डिप्लोमा - प्रचार कार्य का 3 वर्ष का अनुभव - प्रशासनिक कार्य का 2 वर्ष का अनुभव	45 वर्ष	एक चौथाई सीधी भर्ती द्वारा और तीन चौथाई 8 वर्ष का अनुभव रखने वाले वरि० (कलाकारों टस्टों) में से पदोन्नति द्वारा

1	2	3	4	5	6
4. मुख्य प्रदर्शनी अधिकारी	1300-1700	1. कला में विश्वविद्यालय की उपाधि/ डिप्लोमा 2. प्रचार कार्य/जनसंपर्क का आठ वर्ष का अनुभव 3. प्रचार कार्य का प्रशासनिक कार्यों का 4 वर्ष का अनुभव	45 वर्ष	संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती	
1. तकनीकी सहायक (बाह्य प्रचार/मुद्रित प्रचार)	550-900	I. तकनीकी सहा. (बाह्यप्रचार) के लिए 1. विश्वविद्यालय की उपाधि 2. बाह्य प्रचार कार्य का दो वर्ष का अनुभव 3. पत्रकारिता में डिप्लोमा वांछनीय है। II. तकनीकी सहा. (मुद्रित प्रचार) हेतु 1. मैट्रिक 2. प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा 3. प्रिंटिंग और पोस्टर तैयार करने का 3 वर्ष का अनुभव	30 वर्ष	सभी पर संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं।	
2. सहायक प्रस्तुति प्रबन्धक (बाह्य प्रचार/मुद्रित प्रचार)	650-1200	I. सहा. प्रस्तुति प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) हेतु 1. विश्वविद्यालय की उपाधि 2. बाह्य प्रचार कार्य का 3 वर्ष का अनुभव 3. विज्ञापन के विभिन्न माध्यमों की जानकारी	35 वर्ष	दो तिहाई संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा और एक तिहाई पदोन्नति द्वारा	

50

3. प्रस्तुति प्रबन्धक (मुद्रित प्रचार)	1100-1600	II. सहा. प्रस्तुति प्रबन्धक (मुद्रित प्रचार) हेतु 1. प्रिंटिंग (मुद्रण) प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा 2. प्रिंटिंग प्रेस में कार्य का 5 वर्ष का अनुभव	40 वर्ष	50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत 5 वर्ष का अनुभव रखने वाले सहायक प्रस्तुति प्रबन्धकों में से पदोन्नति द्वारा।
4. उप निदेशक (मुद्रित प्रचार)	1300-1700	यथोपरि	45 वर्ष	5 वर्ष का अनुभव रखने वाले प्रस्तुति प्रबन्धकों में से पदोन्नति द्वारा।
5. तकनीकी सहायक [दृश्य श्रव्य/विज्ञापन (हिन्दी)]	550-900	I. तकनीकी सहा. (दृश्य श्रव्य हेतु) 1. मैट्रिक 2. इलेक्ट्रॉनिक्स में डिप्लोमा 3. दो वर्ष का व्यावहारिक अनुभव II. तकनीकी सहा. (विज्ञापन हिन्दी) हेतु 1. हिन्दी विषय सहित स्नातक उपाधि 2. प्रेस/विज्ञापन एजेंसियों में प्रूफ रीडिंग और आकलन की जांच का 3 वर्ष का अनुभव	30 वर्ष	50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग और कम के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत कनिष्ठ तकनीकी सहायकों में से पदोन्नति द्वारा।

61

1	2	3	4	5	6
6. अनुसंधान सहायक	650-1200	1. डिग्री 2. प्रदर्शनी में प्रयोग होने वाले फोटोग्राफ के चयन और उनके प्रयोग का 3 वर्ष का अनुभव । ¹	35 वर्ष	संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा	
7. प्रबन्धक (प्रत्यक्षदर्शी)	1100-1600	1. वाणिज्यिक कला में डिग्री/डिप्लोमा 2. कला निदेशक/प्रत्यक्षदर्शी के पद पर 5 वर्ष का अनुभव	45 वर्ष	संघ लोक सेवा आयोग के जरिए सीधी भर्ती द्वारा ।	
8. मुख्य प्रत्यक्षदर्शी	1800-2000	यथोपरि	50 वर्ष	8 वर्ष का अनुभव रखने वाले कला प्रबन्धकों (प्रत्यक्षदर्शी) में से पदोन्नति स्थानांतरण प्रति नियुक्ति द्वारा प्रत्याशी के मिलने पर संघ लोक सेवा आयोग के जरिए सीधी भर्ती द्वारा ।	
9. मुख्य सतिका	1100-1600	1. विश्वविद्यालय की डिग्री 2. किसी भी विज्ञापन एजेंसी में 7 वर्ष का अनुभव 3. अच्छी किस्म के मुद्रण का व्यावहारिक अनुभव	40 वर्ष	50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग के जरिए 50 प्रतिशत 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले सहा० प्रस्तुति प्रबन्धकों में से पदोन्नति द्वारा ।	
10. वरिष्ठ कलाकार	650-1200	1. ललित कला / वाणिज्यिक कला में डिग्री/ डिप्लोमा 2. क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव	40 वर्ष	सभी पद संघ लोक सेवा आयोग के जरिए भरे जाते हैं ।	

11. सहायक विज्ञापन प्रबंध	650-1200	1. विश्वविद्यालय की डिग्री 2. विज्ञापन में 3 वर्ष का अनुभव	35 वर्ष	50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग के जरिए सीधी भर्ती द्वारा और 50 प्रतिशत तकनीकी सहा० में से पदोन्नति द्वारा ।
12. उपनिदेशक (विज्ञापन)	1500-1800	1. विश्वविद्यालय की डिग्री 2. किसी प्रतिष्ठित विज्ञापन एजेंसी में कार्य का 7 वर्ष का अनुभव	45 वर्ष	मुख्य नियंत्रकों में से स्थानांतरण प्रतिनियुक्ति/पदोन्नति द्वारा ।

भारतीय फिल्म एवं दूरदर्शन संस्थान

भारतीय फिल्म एवं दूरदर्शन संस्थान पूना में 1. फिल्म निर्देशन, फिल्म (स्क्रीन) नाट्य लेखन, फिल्म फोटोग्राफी 2. ध्वन्यांकन और ध्वनि इंजीनियरी में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं। इसका प्रमुख निदेशक होता है जो 2000—2250 रु० के वेतनमान में होता है। इसकी सहायता के लिए दो उपनिदेशक होते हैं जो क्रमशः फिल्म एवं दूरदर्शन के लिए होते हैं। उनका वेतनमान 1500—2000 रु० है। इसमें प्रोफेसर, सहयोगी प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पद होते हैं जो क्रमशः 1300—1700 रु०, 1050—1600 और 700—1300 रु० के वेतनमान में हैं। ये सभी पद सामान्यतः प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन के जरिए डिग्री प्राप्त तथा फिल्म निर्माण का कम से कम 5 से 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से भरे जाते हैं। फिल्म एवं दूरदर्शन में अन्य सहायक कर्मचारी भी होते हैं जैसे फिल्म प्रिन्टर आपरेटर, सम्पादन सहायक, रूप सज्जा के लिए मेकअप मैन, प्रदर्शनकर्ता, रिकार्डिंग सहायक, डार्क रूम सहायक आदि। कनिष्ठ पदों में फिल्म योजक फिल्म चेकर और बूम मैन आदि आते हैं। इन सभी पदों के लिए अपेक्षित योग्यता, अनुभव और तकनीकी विशेषता, पूर्णतः व्यवसाय के अनुकूल विशिष्ट प्रकार की है। सामान्यतः इन सभी पदों के लिए रोजगार कार्यालयों के जरिए सीधी भर्ती की जाती है। संस्थान के सभी पदों पर कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए सेवा शर्तें केन्द्रीय स्वायत्त इकाइयों के समान ही लागू होती हैं। संस्थान में विभिन्न पदों का वेतनमान नीचे दिया गया है :—

1. फिल्म प्रिन्टर आपरेटर	425-700
2. रूप सज्जाकार (मेकअप मैन)	425-700
3. अनुदेशक	350-800
4. ध्वन्यांकन सहायक	380-560
5. प्रदर्शनकर्ता	330-480
6. सम्पादन सहायक	440-480
7. फिल्म योजक	220-350
8. फिल्म चेकर	200-600
9. बूम मैन	200-260

फिल्म प्रभाग

फिल्म प्रभाग शिक्षा संबंधी प्रायोजन तथा सार्वजनिक प्रदर्शनी हेतु सरकार द्वारा अपेक्षित अन्य फिल्मों को तैयार करने तथा उनके वितरण के लिए

जिम्मेदार है। दिल्ली में रक्षा, खाद्य, कृषि और परिवार कल्याण से संबंधित फिल्में तैयार करने के लिए एक स्वतन्त्र इकाई कार्य कर रही है। समाचारों के समावेश के उद्देश्य से पूरे देश में विभिन्न केन्द्रों पर समाचार दर्शन अधिकारी तैनात किए गए हैं।

फिल्म प्रभाग का प्रमुख नियन्त्रक सह मुख्य निर्माता होता है। इसका सहायता हेतु एक अतिरिक्त नियन्त्रक सह अतिरिक्त मुख्य निर्माता होता है। ये क्रमशः 2500—2750 और 2000—2250 रु० के वेतनमान में होते हैं। ये पद पदोन्नति के आधार पर भरे जाते हैं।

इस विभाग में निम्नतम तकनीकी पद सहायक छायाकार कैमरामैन का है इसके लिए सीधी भर्ती प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन अथवा रोजगार केन्द्रों के जरिए की जाती है। सहायक छायाकार (कैमरामैन) का पद मैट्रिक पास तथा फिल्म फोटोग्राफी में डिप्लोमा/डिग्री धारक व्यक्तियों में से भरा जाता है। इसे 425—700 रु० के वेतनमान में रखा जाता है। यह 530—900 रु० के वेतनमान में सहायक समाचार दर्शन अधिकारी के पद पर पदोन्नति का पात्र है। जो कि केवल पदोन्नति द्वारा ही भरा जाता है।

सहायक समाचार दर्शन अधिकारी छायाकार कैमरामैन के पद पर पदोन्नति के पात्र जो स्टूडियो अथवा अपेक्षित स्थानों पर फिल्म बनाने के लिए जिम्मेदार है। छायाकार (कैमरामैन) के 50 प्रतिशत पद मैट्रिक पास तथा फिल्म छायांकन (फोटोग्राफी) का पांच वर्ष का अनुभव रखने वाले में व्यक्तियों में से संघ लोक सेवा आयोग के जरिए सीधे भरे जाते हैं। इस पद के लिए वेतनमान 650—960 रु० है।

समाचार दर्शन अधिकारियों के तीन चौथाई पद मैट्रिक पास तथा फिल्म कैमरा मैन के रूप में 7 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से संघ लोक सेवा आयोग के जरिए भरे जाते हैं। समाचार फिल्म अधिकारियों के बाकी 25 प्रतिशत पद सहायक समाचार दर्शन अधिकारियों में से वरिष्ठता कम योग्यता के आधार पर पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। ये स्वतंत्र रूप से विदेश में अथवा भारत में फिल्म प्रभाग द्वारा निर्मित अन्य फिल्मों अथवा समाचार फिल्मों को सम्मिलित करने हेतु मुख्य कार्यालय के निर्देशों के अंतर्गत प्रासंगिक समाचार कथा फिल्में बनाते हैं।

समाचार फिल्म दर्शन अधिकारी और मुख्य छायाकार कैमरामैन दोनों की 840—1200 रु० का वेतनमान प्राप्त करते हैं। मुख्य छायाकार (कैमरामैन)

का पद कैमरामैन में से पदोन्नति के द्वारा भरा जाता है। इसी प्रकार निदेशक कैमरामैन का पद मुख्य छायाकार कैमरामैन और समाचार फिल्म दर्शन अधिकारियों में से पदोन्नति द्वारा भरा जाता है। उसे 1015—1600 रु० के वेतनमान में रखा जाता है।

फिल्म प्रभाग में कलाकारों की अन्य श्रेणियों के बारे में विवरण निम्न पंक्तियों में दिया गया है।

380—560 रु० के वेतनमान वाले कलाकार ग्रेड II के पद पर भर्ती, कला में डिप्लोमा तथा वाणिज्यिक कला और सजीव चित्रण का कम से कम दो वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से की जाती है। शत प्रतिशत भर्ती सीधे तौर पर रोजगार केन्द्रों के जरिए की जाती हैं। 425—640 रु० के वेतनमान वाले कलाकार ग्रेड II के पद की 50 प्रतिशत रिक्तियों पर उन्हें पदोन्नति के अवसर मिल जाते हैं। कलाकार ग्रेड I के 50 प्रतिशत पदों के लिए भर्ती रोजगार केन्द्रों के जरिए की जाती है। इसके लिए शैक्षिक योग्यता तथा अन्य शर्तें वही रहती हैं परन्तु अनुभव थोड़ा अधिक होता है। कलाकार ग्रेड I के सभी व्यक्तियों को 550—900 रु० के वेतनमान में सहायक (अभिन्यास ले आउट) कलाकार तथा सहायक पार्श्व (बैक ग्राउन्ड) कलाकार के पद पर पदोन्नति के अवसर मिल जाता है। पार्श्व कलाकार (बैक ग्राउन्ड आर्टिस्ट) के पद पर 100 प्रतिशत भर्ती ललित कला में डिग्री। डिप्लोमा धारकों तथा 5—10 वर्ष की अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती है। उन्हें 650—1200 रु० के वेतनमान में अभिन्यास (ले आउट) कलाकार के पद पर पदोन्नति का अवसर मिल जाता है।

455—700 रु० के वेतनमान में कथा चित्रकार का पद है। इन सभी पदों की भर्ती रोजगार कार्यालय के जरिए की जाती है। रोजगार कार्यालय से न मिलने पर प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया जाता है।

ध्वन्यांकनकर्ता का पद 550—900 रु० के वेतनमान में है। इस पद के लिए भौतिकी विषय सहित विज्ञान में उपाधि तथा टेलीविजन फिल्म छायांकन (फोटोग्राफ) के लिए ध्वनि इंजीनियरी और ध्वन्यांकन का दो वर्ष का अनुभव आवश्यक है। 50 प्रतिशत पद संघलोक सेवा आयोग के जरिए भरे जाते हैं। बाकी 50 प्रतिशत पद 350—560 रु० का वेतनमान पाने वाले सहायक ध्वन्यांकन कर्ताओं में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। इस पद के लिए आवश्यक योग्यता

मैट्रिक पास और आयु 35 वर्ष से कम है साथ ही किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ध्वन्यांकन और ध्वनि इंजीनियरी में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र अथवा 3 वर्ष के अनुभव सहित व्यवसाय में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए। सहायक ध्वन्यांकनकर्ता के सभी पद रोजगार कार्यालय के जरिए भरे जाते हैं। इस क्षेत्र में उच्चतम रैंक मुख्य ध्वन्यांकनकर्ता की है जो 840—1200 रु० के वेतनमान में है और यह पद पूर्णतया पदोन्नति के आधार पर भरा जाता है।

फिल्म प्रभाग के फिल्म सम्पादकीय यूनिट में निम्नतम पद 260—350 रु० के वेतनमान में फिल्म योजक का है। 25 वर्ष से कम आयु के मैट्रिक पास और फिल्म स्टूडियो में फिल्म योजक के रूप में 2 वर्ष तक काम के अनुभव वाले व्यक्तियों को इस पद के लिए योग्य माना जाता है। फिल्म योजक के 75 प्रतिशत पदों पर भर्ती रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है और 25 प्रतिशत पद फिल्म चेकर, बूम मैन और फिल्म प्रभाग के अन्य श्रेणी के कर्मचारियों में से की जाती है।

फिल्म योजकों को 330—480 रु० के वेतनमान में सहायक सम्पादक के 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति का अवसर मिल जाता है। बाकी 50 प्रतिशत पद मैट्रिक पास तथा कम से कम ध्वनि इंजीनियरी और ध्वन्यांकन में एक वर्षीय प्रमाणपत्र और व्यवसाय का 3 वर्ष का अनुभव रखने वाले व्यक्तियों में से रोजगार कार्यालय के माध्यम से भरे जाते हैं।

सहायक सम्पादक 470—750 रु० के वेतनमान में सम्पादक (फिल्म) के 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति पा सकते हैं। सम्पादक के बाकी 50 प्रतिशत पद फिल्म सम्पादक में मैट्रिक पास 6 वर्ष का अनुभव वाले, डिग्री सहित 2 वर्ष का व्यवसाय का अनुभव रखने वाले और फिल्म सम्पादन में डिप्लोमा धारक व्यक्तियों में से रोजगार कार्यालय के जरिए भरे जाते हैं।

सहायक स्टाफ में कुछ कनिष्ठ पद हैं जो निम्न तालिका में दिए गए हैं :—

क्रम सं०	पदनाम	वेतनमान	भर्ती पद्धति
1	2	3	4
1.	प्रयोगशाला पर्यवेक्षक	550—900	प्रयोगशाला सहायकों में से पूर्णतया पदोन्नति द्वारा।

1	2	3	4
2. तकनीकी अधिकारी (फिल्म)	550-900	50 प्रतिशत संघ लोक सेवा आयोग माध्यम से और 50 प्रतिशत फिल्म प्रक्षेपक (प्रोजेक्सनिष्ट) आदि में से पदोन्नति द्वारा ।	
3. प्रयोगशाला सहायक	455-700	रोजगार कार्यालय के जरिए सीधी भर्ती ।	
4. यूनिट प्रबन्धक	455-700	रोजगार कार्यालय के जरिए निर्देशन फिल्म छायांकन (फोटोग्राफी) में डिग्री/डिप्लोमा धारकों में से 100 प्रति-सीधी भर्ती ।	
5. डार्करूम सहायक	260-400	75 प्रतिशत भर्ती मैट्रिक पास तथा 2 वर्ष के अनुभव वाले व्यक्तियों में से रोजगार कार्यालय के जरिए 25 प्रतिशत समूह 'व' के तकनीकी कर्मचारियों में से पदोन्नति द्वारा ।	
6. छायाचित्रकार (फोटोग्राफर)	260-400	फोटोग्राफर के रूप में दो से तीन वर्ष के अनुभव वाले मैट्रिक पास व्यक्तियों में से रोजगार कार्यालय के जरिए 100 प्रतिशत सीधी भर्ती ।	

अध्याय VII

स्वरोजगार के अवसर

रेडियो और दूरदर्शन आज के आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । दूरदर्शन देश के लिए असली वरदान है क्योंकि इसमें रेडियो, सिनेमा तथा समाचार पत्र तीनों संचार माध्यम संयुक्त रूप से कार्य करते हैं । उसके अतिरिक्त संचार के अन्य साधन भी हैं जो ज्ञान का प्रसार करते हैं तथा ज्ञान का द्वार खोलते हैं ।

इस क्षेत्र में स्वरोजगार के व्यापक अवसर हैं । व्यक्ति टी० वी० और रेडियो बिक्री तथा सर्विस यूनिट आरम्भ कर सकता है, वाणिज्यिक वृत्त-चित्र तैयार कर सकता है । कला और विज्ञापन स्टूडियो खोल सकता है तथा डाक-टिकटें बेचने एवं अन्य डाक सुविधाओं के लिए डाक एजेन्सियां चला सकता है ।

बड़े व्यापारिक सदनों में टेलीविजन, रेडियो, ट्रान्जिस्टर और अन्य विद्युत उपकरण के अन्य जुगतों का विनिर्माण किया जाता है । इन प्रतिष्ठानों में सैकड़ों तकनीकी (कुशल और अर्धकुशल) व्यक्ति कार्य करते हैं जो ऐसे विद्युत यंत्रों के विनिर्माण/पुर्जो जोड़ने/उत्पादन में सहायता करते हैं । बिक्री एवं सर्विस एजेन्सियों का उत्पाद वस्तुओं के लिए आबंटन भी सक्षम और कुशल तकनीकी व्यक्तियों को किया जाता है । सर्विस कार्य के लिए समय-समय पर एजेन्सियों में अनेक व्यक्तियों को रोजगार दिया जाता है । एजेन्सीधारक अच्छी आमदनी कर सकते हैं । एजेन्सियों का आबंटन केवल उन्हीं व्यक्तियों को किया जाता है जो शो रूम आदि को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त धनराशि लगा सकने की स्थिति में हैं । फिर भी ऐसे व्यक्ति जो अधिक धन नहीं लगा सकते, अपने निवास स्थान पर अथवा अन्यत्र अपने सर्विस सेंटर चला सकते हैं ।

बहुत से व्यक्तियों को प्रतिवर्ष फिल्म निर्माण करने तथा लेखन, निर्देशन डिजाइन तैयार करने तथा मेकअप के क्षेत्र में भी रोजगार मिल जाते हैं । इन व्यवसायों में केन्द्रीय और राज्य स्तर पर सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के रोजगार मिल जाते हैं । समय-समय पर रिक्तियां विज्ञापित की जाती हैं वैसे इस क्षेत्र में स्वरोजगार के भी पर्याप्त अवसर हैं । भावी फिल्म निर्माता निजी वाणिज्यिक (कमर्शियल) संगठनों के लिए वृत्तचित्र फिल्म निर्माण का कार्य

आरम्भ करने के लिए निपुण व्यक्तियों के विशेष निर्देशन में इस रोजगार को चुन सकते हैं। सिनेमा तथा दूरदर्शन के जरिए अपनी चीजों की बिक्री के उद्देश्य से बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों की मांग पर प्रचुर मात्रा में विज्ञापन फिल्में तैयार की जाती हैं। रेडियो विज्ञापन आलेख भी हजारों छोटे और बड़े औद्योगिक तथा वाणिज्यिक माल विनिर्माताओं को आकर्षित कर रहे हैं।

प्रदर्शनियां आयोजित करने, विज्ञापन एवं प्रचार प्रदर्शन आदि कार्यों में छायांकन (फोटोग्राफ) के व्यापक प्रयोग से स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं विशेष रूप से स्वतंत्र (फ्री लांस) फोटोग्राफर को अच्छे अवसर मिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त फोटोग्राफर अपने निजी फोटो स्टूडियो भी खोल सकते हैं।

निजी फोटो स्टूडियो भी अनेक व्यक्तियों के रोजगार हैं। शहरी क्षेत्र में स्टूडियो खोला जा सकता है। अच्छा फोटोग्राफर काम के लिए अच्छा स्थान चुन सकता है और अच्छे ग्राहक बना सकता है। वैवाहिक पार्टियों तथा अन्य उत्सवों पर फोटोग्राफर को तेजी से काम मिल जाता है। स्टूडियो में अनुशोधक फोटो लेब वर्कर आदि को मजदूरी अथवा ठेके पर रोजगार मिल जाता है।

शैक्षणिक और तकनीकी निपुणता वाले आई० टी० आई० प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति आकर्षक आकार और रंगों में जेबी (पाकेट) ट्रान्जिस्टर तैयार करने हेतु अपनी कुटीर असेम्बली यूनिट स्थापित कर सकते हैं तथा आम लोगों के लिए रेडियो सैट भी तैयार कर सकते हैं। अच्छी किस्म के आकर्षक ट्रान्जिस्टर और रेडियो की अच्छी जोरदार बिक्री होती है। एसेम्बली और विनिर्माण यूनिट के लिए अधिक धन लगाने की आवश्यकता नहीं होती। कोई भी उद्यमी हजार ६० लगाकर एक या दो कमरे में अपने निवास स्थान पर कुटीर यूनिट आरम्भ कर सकता है। इसे लाइसेंस लेकर कहीं भी स्थापित किया जा सकता है। लाइसेंस आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अतिरिक्त पुर्जे, शैसी केबिनेट और स्पीकर आदि आसानी से दिल्ली के थोक बाजार में उपलब्ध हैं। इन्हें अच्छे लाभ में आसानी से बेचा जा सकता है। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें अधिक व्यक्तियों को मजदूरी पर रोजगार भी मिल जाता है।

टेलीविजन सैटों की असेम्बली की भी यही स्थिति है। यद्यपि इसके लिए अधिक पूंजी लगानी होती है। इसमें अच्छा लाभ भी मिल जाता है तथा इसके अतिरिक्त वर्कशॉप में कुछ तकनीशियनों को रोजगार भी मिल सकता है। पिकचर ट्यूब, ट्रान्जिस्टर, शैसी स्पीकर, केबिनेट, केबिल बोल्टेज, केबिल वोल्टेज स्टेबिलाइजर आदि आसानी से बाजार में मिल जाते हैं। इस काम को करने के लिए

लाइसेंस लेना ठीक रहता है। छोटे धन्धे चलाने के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण भी मिल जाता है।

वाणिज्यिक कला में डिप्लोमाधारी व्यक्ति निजी कलाकार्य (आर्टवर्क) ले सकते हैं। अधिकांश छोटे अथवा बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों में यह विश्वास बढ़ता जा रहा है कि उनके माल के अधिक से अधिक विज्ञापन के जरिए अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित किया जा सकता है। कलाकार आकर्षक विज्ञापन, स्लाइडें, पोस्टर, लेबल और वस्तुओं के डिजाइन तैयार करता है। व्यवसायी सक्षम और प्रतिभावान कलाकारों को अच्छी रकम का भुगतान करते हैं।

अध्याय VIII

रोजगार संभावना

विकास प्रक्रिया में संचार व्यवस्था की मुख्य भूमिका है। इन क्षेत्रों के कार्यक्रम इस प्रकार बनाये गये हैं कि विकास कार्यों विशेष रूप से कृषि, ग्रामीण विकास, शिक्षा, परिवार नियोजन आदि को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

संचार सेवाओं के अंतर्गत डाक, तार, दूरसंचार तथा विदेश संचार सेवाएं आती हैं। कृषि, उद्योग आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास के साथ-साथ संचार ढांचे का विकास अत्यन्त कठिन हो गया है। अतः आगामी पंचवर्षीय योजना में संचार सेवाओं को प्राथमिकता दी गई। इसके बावजूद भी संचार सुविधाओं की मांग निरन्तर बढ़ रही है। छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान डाक और दूरसंचार सेवाओं को देश के सभी भागों तक पहुंचाने का लक्ष्य है ताकि वे विकास के मुख्य क्षेत्रों में संतुलित और सतत् वृद्धि में सहायक हो सकें। ग्रामीण क्षेत्रों तथा विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जाना है।

डाक व्यवस्था

छठी योजना के दौरान मुख्यतया ग्रामीण पिछड़े, पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों के लिए डाक सेवाओं की ओर अधिक ध्यान दिया गया है 31 मार्च 1980 तक देश में ग्रामीण डाकघरों की संख्या 1.23 लाख थी। 1980—85 की योजना के दौरान 8,000 और डाकघर खोलने का प्रस्ताव है, जिनमें से 5,000 जनजातीय पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में खोले जाने हों। 10,000 ऐसे गावों में जहां नियमित डाकघर नहीं हैं, चलते-फिरते डाकघरों के जरिए डाक काउन्टर सुविधाएं प्रदान किए जाने का भी प्रस्ताव है। ग्रामीण डाकघरों को समर्थ बनाने के उद्देश्य से लगभग 10,000 अतिरिक्त विभागीय वितरण एजेंट नियुक्त किये जाने का प्रस्ताव है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से उपलब्ध वितरण सुविधाओं को बढ़ाने हेतु 10,000 और डाक पेटियाँ लगानी थी। कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए द्रुतगामी रेल और डाक सेवा बढ़ाने तथा डाक सेवाओं की यंत्रीकरण तथा आधुनिकीकरण का भी प्रावधान रखा गया है। 1980—85 की योजना में डाक सेवाओं के लिए 172 करोड़ रु० की लागत का प्रावधान रखा गया है। इन सभी योजनाओं के लिए डाक सेवाओं में विभिन्न पदों पर बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता भी अनुभव की गई है।

दूरसंचार व्यवस्था

दूसरे देशों से दूर संचार उपकरणों के आयात पर देश की निर्भरता, कम करने तथा दूरवर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में दूरसंचार सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से दूर संचार उपकरणों को देश में ही निर्मित करने के उपाय किए जा रहे हैं।

दूरसंचार योजना में वर्तमान 20 लाख कनेक्शनों में 14 लाख सीधे एक्सचेंज कनेक्शन शामिल करने का प्रावधान है। योजना के दौरान लगभग 18,000 टेलिक्स कनेक्शन लगाए जाने हैं। पिछड़े, पर्वतीय और जनजातीय क्षेत्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 20,000 लम्बी दूरी के सार्वजनिक टेलीफोन केंद्र खोले जाने का प्रस्ताव है। योजना के दौरान लगभग 20,000 तार कार्यालय खोले जाने का प्रस्ताव है और उनमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए जाने हैं। 1980—85 योजना में दूरसंचार व्यवस्था के विकास के लिए 2,336 करोड़ रु० का लागत का प्रावधान है। इसमें से 43 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए तथा 6 प्रतिशत से अधिक जनजातीय क्षेत्रों के लिए आरक्षित है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए 75 करोड़ रु० के व्यय का निर्धारण किया गया है। योजना में समुद्रपार संचार सेवाओं के लिए 75 करोड़ रु० का अलग से प्रावधान है।

संचार क्षेत्र में सभी कार्यक्रमों के लिए 2810 रु० की कुल धनराशि निर्धारित की गई है। केन्द्रीय संचार क्षेत्र की कार्यक्रम अनुसार लागत निम्न सारणी में दी गई है :—

केन्द्रीय संचार क्षेत्र में लागत

क्रम सं०	मद	लागत (करोड़ में)
क. डाक तार विभाग		
1.	डाक सेवाएं	172.00
2.	दूरसंचार सेवाएं	
	(इन में इनसेट सेवाएं भी शामिल हैं)	2336.00
		2508.00
ख. अन्य संचार सेवाएं		
1.	संचार मंत्रालय	40.00
2.	भारतीय टेलीफोन उद्योग	155.00
3.	हिन्दुस्तान टेलीप्रिन्टर्स	14.00
4.	समुद्रपार संचार सेवा	85.00
5.	मोनीटर आर्गनाइजेशन	8.00
		302.00
क और ख की कुल लागत		2810.00

रेडियो, दूरदर्शन और सूचना सेवाएं

छठी योजना में राज्यों की राजधानियों में नये दूरदर्शन केन्द्रों की स्थापना तथा उपग्रह (सैटेलाइट) प्रणाली के जरिए दूरदर्शन के विस्तार को सही स्थान मिला है। वर्तमान कार्यक्रमों और उनके विस्तार हेतु 86.95 करोड़ रु० का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकारों की प्रचार प्रतियों सहित सभी क्षेत्रीय प्रचार यूनिटें लोगों में सरकारी और राष्ट्रीय नीतियों का प्रचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आजकल देश में 400 जिलों में 232 केन्द्रीय क्षेत्रीय यूनिट हैं। इन यूनिट की संख्या में और अधिक वृद्धि करने पर बल दिया गया है। अन्य संचार माध्यमों जैसे फोटो डिवीजन, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय तथा प्रकाशन विभाग आदि के कार्यों को बढ़ाने का भी प्रस्ताव किया गया है।

फिल्म, संचार का बहुत शक्तिशाली माध्यम है। भारतीय जन संचार संस्थान तथा भारतीय फिल्म और दूरदर्शन संस्थान विभिन्न संचार कार्यों को बढ़ाने के उद्देश्य से अपनी प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि कर रहे हैं।

संघ और राज्य सरकार दोनों ही के क्षेत्रों में रेडियो प्रसारण, दूरदर्शन तथा सूचना सेवाओं के लिए निर्धारित योजना कार्यक्रमों हेतु 272.34 करोड़ रु० की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम-वार विवरण नीचे दिया गया है:

सूचना और प्रसारण के लिए लागत व्यय

क्रम सं०	क्षेत्र	लागत व्यय
1.	रेडियो प्रसारण	122.38
2.	दूरदर्शन	86.95
3.	सूचना और प्रचार	—
	क. केन्द्र	31.00
	ख. राज्य	28.46
	ग. संघ शासित क्षेत्र	3.55
	कुल	272.34

सूक्ष्म तरंग (माइक्रोवेव) इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रॉनिक्स दूर संचार विद्युत इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/डिग्री धारकों को रोजगार के अच्छे अवसर मिल जाते हैं। केन्द्रीय रोजगार सेवा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सरटस) के रोजगार के अनुसार से संबंधित बुलेटिन की सारणी यह दर्शाती है कि रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में 1979 में रिक्तियों की संख्या 1975 की तुलना में लगभग दुगुनी हो गई है। निम्न सारणी में वर्ष 1975 और 1979 में वेतनमानों के अनुसार डिग्री/डिप्लोमा धारकों के लिए रिक्तियों को दर्शाया गया है।

सारणी

इंजीनियरिंग ब्रांच के वेतनमान के अनुसार दर्शायी गई रिक्तियां

क्रम सं०	इंजीनियरी ब्रांच	1975			1979			जोड़
		250 रु० प्रतिमाह तक मूल वेतन	251-500 रु० प्रतिमाह के बीच मूल वेतन	501 रु० और इससे अधिक मूल वेतन	251-500 रु० प्रतिमाह तक मूल वेतन	250 रु० प्रतिमाह तक मूल वेतन	501 रु० और उससे अधिक प्रतिमाह मूल वेतन	
		3	4	5	6	7	8	
1.	इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत सूक्ष्म तरंग माइक्रोवेव संचार इसमें रेडियो टेक्ना-लाजी भी शामिल है	38	222	151	36	410	238	689
2.	दूरसंचार डाक और तार	86	40	85	12	159	296	462
		129	262	236	48	569	534	1151

रोजगार अवसरों की संख्या जो 1975 में 622 थी 1979 में बढ़कर 1151 हो गई। वर्ष 1979 में लगभग 50 प्रतिशत रिक्तियां 250 रु० और इससे अधिक वेतनमान ग्रुप में थी। 250 रु० प्रति माह से कम वेतन वाले ग्रुप में रोजगार अवसरों की संख्या 124 से घटकर 48 हो गई है।

अनुसूचित जाति/जनजातियों के लिए सुविधाएं

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को पूरे देश में विभिन्न तकनीकी इंजीनियरिंग तथा शैक्षिक पाठ्यक्रमों में क्रमशः 15 और 5 प्रतिशत सीटों के आरक्षण की सुविधाएं की गई हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय संचार मंत्रालय, डाक और तार विभाग आदि भी जिन्हें इस पुस्तक में शामिल किया गया है अपने प्रशिक्षण संस्थान में इस नियम का पालन करते हैं। डाक विभाग के सहारनपुर, बडोदरा, मैसूर और दरभंगा में स्थित सेवा कालीन प्रशिक्षण केन्द्रों में अनुसूचित जाति/जनजाति के प्रशिक्षार्थियों को यह सुविधा प्राप्त है। इसी प्रकार उसके 13 क्षेत्रीय और 26 मंडलिय दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्रों तथा दूरसंचार उच्चस्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली में भी यही पद्धति अपनाई जा रही है। भारतीय फिल्म और टेलिविजन संस्थान, पूना में विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान दिल्ली, बम्बई, कानपुर, मद्रास, खडगपुर और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम (संचार) में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए 20 प्रतिशत स्थान आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति/जन जाति उम्मीदवारों के लिए एम० टेक / एम० एस० सी० पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अंको में 5 प्रतिशत की छूट दी गई है। अनुसूचित जाति / जनजाति के उम्मीदवारों से वसूल की गई फीस आदि वापिस कर दी जाती है। परीक्षा शुल्क सामान्य के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित शुल्क का 25 प्रतिशत लिया जाता है। अन्य सभी संबद्ध तकनीकी संस्थाओं में भी यही प्रावधान अपनाया गया है।

केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, स्वशासी निकायों में रोजगार के लिए अप्रत्यक्ष भर्ती में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए क्रमशः 15 प्रतिशत और साढ़े सात प्रतिशत और सीधी के आरक्षण की वैधानिक व्यवस्था है। इन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट है। आवश्यक शैक्षिक योग्यता में भी छूट दी गई है। साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की आने जाने का रेल/बस का किराया भी दिया जाता है। यदि रोजगार कार्यालय आरक्षित रिक्तियों के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवार उपलब्ध कराने में असमर्थ है

तो ऐसी स्थिति में यह मामला रिक्तियों को भरने के लिए अनुसूचित जाति / जनजाति कल्याण संघ अथवा समाज कल्याण निदेशालय / अनुसूचित जाति / जन जाति कल्याण निदेशालय को भेजा जाता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

1 जनवरी 1981 के आंकड़ों के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सभी समूहों में कुल कर्मचारियों की संख्या 22,739 थी जिसमें से 4089 अनुसूचित जाति और 983 अनुसूचित जनजाति के कर्मचारी थे। 1980-81 के दौरान अधिसूचित 1401 रिक्तियों में से अनुसूचित जाति / जनजाति के कर्मचारियों के सभी समूहों में नई भर्ती क्रमशः 223 और 85 थी।

संचार मंत्रालय

वर्ष 1980-81 के दौरान संचार मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ/संबद्ध संगठनों में कुल 3796 कर्मचारी कार्यरत थे। उनमें से अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारियों की संख्या क्रमशः 795 और 773 थी। भारतीय टेलीफोन उद्योग में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों की संख्या 26,847 थी। जिनमें से अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारी क्रमशः 4944 और 149 थे। हिन्दुस्तान टेलीप्रिन्टर्स में कला 1974 कर्मचारियों में से 366 अनुसूचित जाति और 27 अनुसूचित जनजाति के थे।

1980-81 में संचार मंत्रालय में 229 रिक्तियां सीधी भर्ती द्वारा भरी गई, जिनमें से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के क्रमशः 40 और 23 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया। भारतीय टेलीफोन उद्योग में कुल 550 नियुक्तियों में से अनुसूचित जाति / जनजाति के क्रमशः 120 और 18 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया।

डाक और तार विभाग

1.1 1981 के आंकड़ों के अनुसार डाक और तार विभाग में कुल 5,28,391 कर्मचारियों में से अनुसूचित जाति तथा जनजाति के कर्मचारियों की संख्या क्रमशः 93,850 और 21,375 थी।

परिशिष्ट 'क'

भारत में (क) डाक प्रशिक्षण केन्द्रों और (ख) दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्रों की सूची

I (क) भारतीय डाक कर्मचारी (पोस्टल स्टाफ कालिज, संचार भवन, नई दिल्ली, 110001)

डाक कर्मचारी प्रशिक्षण कालिज, पुराना सचिवालय, शामनाथ मार्ग, दिल्ली-110006

डाक-तार प्रशिक्षण केन्द्र, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)

डाक प्रशिक्षण केन्द्र, बडोदरा, गुजरात

डाक प्रशिक्षण केन्द्र, ट्रेनिंग, दरभंगा, बिहार

डाक प्रशिक्षण केन्द्र, मैसूर, कर्नाटक

(ख) दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र, डाक तार भवन, पटेल मार्ग, नई दिल्ली-110001

II क्षेत्रीय दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र

1. जबलपुर
2. नागपुर
3. कलकत्ता
4. बम्बई
5. त्रिवेन्द्रम
6. अहमदाबाद
7. नासिक
8. बेंगलूर
9. हैदराबाद
10. गाज़ियाबाद
11. पटना
12. मद्रास (सर्कल)
13. राजपुरा (पंजाब)

III. मंडल दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र

1. आन्ध्र प्रदेश (काकीनादा)
2. उत्तर पूर्वी क्षेत्र (गुहाटी)
3. बिहार (पटना)
4. गुजरात (अहमदाबाद)
5. जम्मू और काश्मीर (जम्मू)
6. केरल (त्रिवेन्द्रम)
7. मध्य प्रदेश (भोपाल)
8. तमिलनाडू (मद्रास)
9. महाराष्ट्र (नासिक)
10. उत्तर पश्चिमी क्षेत्र (राजपुरा)
11. राजस्थान (जयपुर)
12. पश्चिमी बंगाल (कलकत्ता)
13. उत्तर प्रदेश (लखनऊ)
14. उड़ीसा (भुवनेश्वर)
15. कर्नाटक (बेंगलूर)

IV. जिला दूरसंचार प्रशिक्षण केन्द्र

1. कलकत्ता
2. नई दिल्ली
3. मुम्बई
4. मद्रास
5. हैदराबाद
6. पूना
7. अहमदाबाद
8. कानपुर
9. पटना
10. इन्दौर

परिशिष्ट 'ख'

फिल्म और दूरदर्शन संस्थान, पूना में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	सिनेमा में डिप्लोमा तथा फिल्म छायांकन अथवा फिल्म सम्पादन में विशेषता
पाठ्यक्रम की अवधि शैक्षिक अनिवार्यता	3 वर्ष] इन्टरमीडिएट के 10+2 छायांकन ललित कला में डिप्लोमा अंग्रेजी
शिक्षण का माध्यम आयु सीमा	अंग्रेजी 17 और 25 वर्ष के बीच अनुसूचित जाति । जनजाति के उम्मीदवारों हेतु कमशः 3 और 5 वर्ष की छूट ।
सीटों की संख्या शुल्क और खर्च	15 प्रवेश शुल्क 10.00 रु० प्रतिभूति 100.00 रु० शुल्क प्रथम सत्र 120.00 रु०, द्वितीय सत्र 120.00 छात्रावास (खर्च) प्रथम सत्र 235.00 रु०. द्वितीय सत्र 225.00 रु०

परिशिष्ट 'ग'

संचार/दूरसंचार पाठ्यक्रम चलाने वाले विश्वविद्यालयों की सूची

क्रम संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश अपेक्षाएं	अवधि
1	2	3	4	5
1.	आन्ध्र विश्वविद्यालय	इंजो० स्नातक बी० ई० इलैक्ट्रॉनिकी और संचार	गणित और भौतिकी सहित इन्टरमीडिएट पास	5 वर्ष
2.	बेंगलूर विश्वविद्यालय	1. बी० ई० 2. एम० ई० 3. बी० एस० 4. एम० एम० 5. पी० एच० डी०	1. 2 वर्षीय पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा 2. बी० ई० पास 3. पूर्व विश्वविद्यालय पास 4. —वही— 5. एम० ई०	5 वर्ष 2 वर्ष 1 वर्ष 1 वर्ष 2 वर्ष
3.	जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता	बी० टेक (दूरसंचार)	12 वर्षीय उच्चतर माध्यमिक (हायर सेकेन्ड्री)	5½ वर्ष
4.	जबलपुर विश्वविद्यालय	बी० ई० (दूरसंचार) एम० ई० (दूरसंचार)	विज्ञान विषयों सहित उच्चतर माध्यमिक (हायर सेकेन्ड्री) पास बी० ई० पास	5 वर्ष 2 वर्ष

1	2	3	4	5
5.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़	बी० ई० एम० ई०	पूर्व विश्वविद्यालय पूर्व इंजीनियरी बी० ई० 50 प्रतिशत अंकों सहित बी० एस० सी० इंजीनियरी 50 प्रति० सहित	5 वर्ष 2 वर्ष
6.	मद्रास विश्वविद्यालय	बी०ई० (इलेक्ट्रॉनिक्स) और कम्यु- निकेशन	पूर्व विश्वविद्यालय विज्ञान और गणित विषयों सहित	5 वर्ष
7.	मदुराई विश्वविद्यालय	वही	वही	5 वर्ष
8.	उसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	बी० ई० (इलेक्ट्रॉनिक्स) और कम्यु- निकेशन	पूर्व विश्वविद्यालय विज्ञान और गणित विषयों सहित	5 वर्ष
9.	रूड़की इंजीनियरी	1. इलेक्ट्रॉनिकी और संचार में डिप्लोमा 2. बी० ई० विद्युत और संचार	विज्ञान विषयों, गणित, भूविज्ञान सहित इन्टर- मीडिएट पास वही	1 वर्ष 5 वर्ष
10.	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	1. बी० एस० सी० इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी और विद्युत संचार) 2. एम०एस०सी० इंजीनियरी	1. 50 प्रतिशत अंको सहित पूर्ण इंजीनियरी 2. 50 प्रतिशत अंको सहित बी०एस०सी०	4 वर्ष 2 वर्ष
11.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति	बी० टेक	विज्ञान विषयों सहित इन्टर पास	3 वर्ष
12.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	1. बी० ई० 2. एम० ई०	भौतिकी, रसायन और गणित विषयों सहित 12 वर्षीय हायर सेकेन्ड्री बी० ई० पास	4 वर्ष 2 वर्ष

13.	भारतीय विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस), बेंगलूर	बी० ई० एम० ई०	बी० एस० सी० द्वितीय श्रेणी बी० ई० बी० टेक पास	3 वर्ष 2 वर्ष
14.	केरल विश्वविद्यालय	1. बी०एस०सी० इंजी० (दूर संचार) 2. एम०एस०सी० इंजी० (दूर संचार)	विज्ञान विषयों सहित पूर्व विश्व विद्यालय उपाधि एम०एस०सी० इंजी० 50 प्रति० अंको सहित	4 वर्ष 2 वर्ष
15.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, कानपुर रूड़की, मुम्बई, खड़गपुर	1. बी० ई० इंजी० 2. एम० ई० इंजीनियरिंग	1. विज्ञान विषयों सहित पूर्ण विश्वविद्यालय की उपाधि 2. बी० एस० सी० इंजीनियरी 50 प्रति अंकों सहित	5 वर्ष 2 वर्ष

©

PDGET 291(H)
19,000—1989 (DSK-II)

Price : (Inland) Rs. 8.00 (Foreign) £ 0.93 or \$ 2 38 Cents.